RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर बुधवार ●20 दिसंबर , 2023 वर्षः-11 अंक - 232 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

बिल्डिंग परमीशन और कम्पाउडिंग के नियम-प्रक्रिया का सरलीकरण होः सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा-शासकीय भवन निर्माण के लिए बिल्डिंग परमीशन ली जाए

नगरीय निकाय व बड़ी पंचायतें करें मांस-मछली विक्रय के लिए भवनों का निर्माण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बिल्डिंग परमीशन और कम्पाउडिंग के नियम और प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए। नियम स्पष्ट और सरल हों, जिसे आम आदमी आसानी से समझ सके और उसे कोई परेशानी न हो। सामान्य व्यक्ति जीवन में एक बार मकान बनाता है, अतः बिल्डिंग परमिशन आदि की व्यवस्था ऐसी की जाएं, जिससे वह परेशान न हो और निर्धारित समय-सीमा में कार्य हो। नगरीय निकायों से नक्शे जल्दी पास कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की

जाएं। भवन अनुज्ञा से संबंधित सॉफ्टवेयर का आंकलन कर यह ज्ञात करें कि वर्तमान में औसतन कितने दिनों में भवन अनुज्ञा जारी की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश नगरीय विकास एवं आवास विभाग की विधानसभा के समिति कक्ष में हुई बैठक में दिए। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय भवनों के निर्माण के लिए भी नगरीय निकायों से अनुमति प्राप्त की जाएं। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड, पर्यटन सहित शासकीय भवन निर्माण में संलग्न सभी एजेंसियां बिल्डिंग परमीशन लें और निर्माण में बिल्डिंग लाइन, ओपन स्पेस, पार्किंग आदि का अनिवार्यतः ध्यान रखें। टीडीआर व टीओडी के क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएं ताकि रहवासियों को सुविधा प्राप्त हो और शहरों की बेहतर प्लानिंग भी सुनिश्चित की जा सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नेअ कहा कि सड़क चौड़ीकरण से संबंधित प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बेहतर तरीके से की जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि स्थानीय निवासियों की समस्याएं न बढ़ें, उन्हें सुविधा प्राप्त हो साथ ही सड़क चौड़ीकरण में बिजली संबंधी कार्यों में लोगों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

आडवाणी और जोशी को राम मंदिर ट्रस्ट ने किया आमंत्रित

दोनों दिग्गज नेता बोले-अयोध्या आने का पूरा प्रयास करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट लगातार तैयारियां कर रहा है। इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न क्षेत्रों के हजारों दिग्गजों को आमंत्रित किया गया है। राम मंदिर निर्माण के लिए 90 के दशक में रथ यात्रा निकालने वाले बीजेपी के दिग्गज लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया है। उनसे रामजी के आंदोलन के बारे में बात हुई। दोनों वरिष्ठों ने कहा कि वह आने का पूरा प्रयास करेंगे। इससे पहले न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया था कि लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी अपने स्वास्थ्य और उम्र की वजह से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शिरकत करें, इसकी संभावनाएं कम ही हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय ने कहा कि दोनों ही दिग्गज परिवार के बड़े हैं। उनसे निवेदन किया गया है कि वे कार्यक्रम में न आएं, जिसे दोनों ने मान लिया है। चंपत राय ने बताया कि कार्यक्रम में 4400 संत और 2200 गेस्ट को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में काशी विश्वनाथ, वैष्णो देवी और अन्य धार्मिक संस्थानों के प्रमुख शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक नेता दलाई लामा, केरल की माता अमृतानंदमयी, योग गुरु रामदेव, फिल्म स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित जैसे दिग्गजों को भी आमंत्रित किया गया है।

प्रदेश की सत्रह कृषि उपज मंडियों से मांगा स्पष्टीकरण

● राहुल, खरगे और प्रियंका का भी यूपी से लड़ने का है प्लान!

भोपाल। प्रदेश की 17 कृषि उपज मंडियों में कम आवक होने की वजह विधानसभा चुनाव बताए जाने पर राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने मंडी सचिवों से नाराजगी जताई है। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक ने कहा है कि मंडी में अनाज की कम आवक की विस्तृत समीक्षा कर रिपोर्ट दी जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव तो पूरे प्रदेश में थे तो बाकी मंडियों में आवक क्यों अधिक रही। उधर, मंडियों की आमदनी घटने के पीछे एक वजह राज्य सरकार द्वारा मंडी शुल्क में की जाने वाली कटौती को भी बताया जा रहा है। राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधीन काम करने वाली मंडियों में पहले प्रति सौ रुपए की बिक्री पर डेढ़ रुपए मंडी शुल्क लिया जाता था। 6 अक्टूबर 2023 को जारी आदेश में मंडी शुल्क में आधा प्रतिशत की कटौती करते हुए एक प्रतिशत मंडी शुल्क लागू कर दिया गया है। बताया जाता है कि एक प्रतिशत मंडी शुल्क किए जाने से मंडियों को मिलने वाला शुल्क कम हुआ है।

समीक्षा बैठक में अप्रैल से नवंबर 2023 के बीच मंडियों में कृषि उपजों की आवक की समीक्षा की गई। इसमें बताया गया कि 283.14 लाख मीट्रिक टन अनाज की आवक हुई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 265.51 लाख मीट्रिक टन थी। यह मात्र 7 फीसदी अधिक है।

आर्टिकल 370 पर एससी का फैसला भगवान का फैसला नहीं

पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती बोलीं- आखिरी सांस तक लड़ेंगी लड़ाई

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में आर्टिकल 370 मामले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती एक बार फिर बरसी हैं। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा बहाल करने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भगवान का फैसला नहीं है। पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को वापस लेने के केंद्र के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर के अपने फैसले को बरकरार रखा था, इसके बाद महबूबा का यह बयान आया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने तथा अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। महबूबा मुफ्ती ने कुपवाड़ा में संवाददाताओं से कहा, हमें हिम्मत नहीं हारनी है। हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे। पीडीपी चीफ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भगवान नहीं है। उसी सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि संविधान सभा की सिफारिश के बिना अनुच्छेद 370 में संशोधन नहीं किया जा सकता है। वे भी विद्वान न्यायाधीश थे। आज कुछ अन्य न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया। हम इसे भगवान का फैसला नहीं मान सकते। महबूबा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने का विरोध करने वाले लोग चाहते हैं कि हम हार मान लें। उन्होंने कहा, हमारे विरोधी चाहते हैं कि हम लड़ाई छोड़ दें लेकिन हम आखिरी सांस तक लड़ाई जारी रखेंगे। हमने बहुत बलिदान दिया है और हम उन्हें व्यर्थ नहीं जाने दे सकते।

कोरोना के बढ़ते मामलों पर टेंशन

अलर्ट हुई मोदी सरकार

केंद्र की राज्यों को एडवाइजरी, टेस्ट और सतर्कता बढ़ाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के मामले अचानक बढ़ने लगे हैं। देश में पहला जेएन.1 वैरिएंट डिटेक्ट हो चुका है। इसको लेकर केंद्र सरकार अलर्ट हो चुकी है। केंद्र ने विभिन्न राज्यों के लिए गाइडलाइंस जारी की हैं। इसके तहत केंद्र की तरफ से कहा गया है कि कोविड को लेकर पैदा हुए हालात पर राज्य लगातार नजर

बनाए रखें। इसके अलावा जिला स्तर पर आने वाला एसएआरआई और आईएलआई केसेज के रिपोर्ट की निगरानी के भी निर्देश दिए गए हैं। राज्यों से आरटी-पीसीआर टेस्ट भी पर्याप्त मात्रा में करने के लिए कहा गया है। यहां पर मिलने वाले पॉजीटिव सैंपल्स को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए आईएनएसएसीओजी लैब्स में भेजने की सलाह भी दी गई है। गौरतलब है कि पिछले 24 घंटों में देश के अंदर कुल 335 नए केसेज सामने आए हैं। इसके अलावा कोरोना से यूपी और केरल में पांच लोगों की मौत भी हुई है। केरल में बढ़ते मामलों को देखते हुए कर्नाटक में एडवाइजरी जारी की गई है। यहां के स्वास्थ्य मंत्री ने सभी सीनियर सिटीजंस और दूसरी बीमारियों से पीड़ितों को मास्क लगाने की सलाह दी है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि लोगों को इससे घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है लेकिन किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। देश के साथ-साथ दुनिया भर में भी कोरोना के बढ़ते मामले चिंता का सबब बन रहे हैं। सिंगापुर में बीते दो हफ्ते के अंदर करीब 60 हजार कोरोना के मामले सामने आए हैं। इसको लेकर डब्लूएचओ ने भी चेतावनी जारी की है। बता दें कि कोरोना का नया सब वैरिएंट जेएन.1 चिंता का सबब बना हुआ है। इस नए वैरिएंट ने अमेरिका और चीन में भी लोगों को अपनी चपेट में ले रखा है। चीन और अमेरिका भी कोरोना के बढ़ते मामलों से परेशान हैं। इन दोनों ही देशों में जेएन.2 सब वैरिएंट परेशानी का सबब है। सिर्फ इन दो ही देशों नहीं, बल्कि करीब 40 देशों तक इस नए वैरिएंट की पहुंच हो चुकी है। अमेरिका में पिछले चार हफ्ते में कोरोना के केसेज में 200 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह अस्पताल में भर्ती होने वालों का आंकड़ा है। इसके अलावा कितने अन्य मामले होंगे, इसके बारे में केवल अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

विधानसभा में दूसरे दिन 21 विधायकों ने ली शपथ

नेता प्रतिपक्ष बोले-ये नेहरू का फोटो हटाकर गोडसे का लगाएंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को 21 विधायकों ने शपथ ग्रहण की। सोमवार को 207 विधायकों ने शपथ ली थी। प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव पहले ही शपथ ले चुके हैं। छिंदवाड़ा विधायक कमलनाथ विदेश में होने के चलते इस सत्र में शामिल नहीं हो रहे हैं। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन सरताज सिंह, रामदयाल अहिरवार, भगवत सिंह पटेल, कल्याण जैन, ताराचंद पटेल, रामदयाल भारद्वाज समेत दिवंगत नेताओं और विभूतियों को श्रद्धांजलि दी गई। दो मिनट के मौन के बाद सदन की कार्यवाही 20 दिसंबर सुबह 11 बजे तक के

लिए स्थगित कर दी गई। आसंदी के पीछे लगी पं. जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा परिसर में कहा, डॉ. अंबेडकर के बाद ये गोडसे के फोटो लगाएंगे। नेहरू जी का फोटो हटाना महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण ये है कि उनके विचार खत्म करने का प्रयास है। आगे देखिए, अंबेडकर जी का फोटो हटाकर गोडसे का फोटो लगाएंगे। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, यह ओछी मानसिकता है। प्रोटेम स्पीकर और मुख्यमंत्री से मांग की जाएगी। महात्मा गांधी, नेहरू जी किसी का अपमान नहीं होना चाहिए।

शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान को ईडी ने भेजा नोटिस

लखनऊ की रियल एस्टेट कंपनी से जुड़ा है मामला, रहीं प्रचारक

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान कानूनी मुश्किल में फंसती नजर आ रही हैं। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने नोटिस भेजा है। दरअसल गौरी खान रियल एस्टेट कंपनी तुलसियानी ग्रुप की ब्रांड एंबेसेडर हैं। उन्हें 2015 में लखनऊ की इस रियल एस्टेट कंपनी का ब्रांड एंबेसेडर बनाया गया था। कंपनी पर आरोप है कि इसने बैंक और

निवेशकों के करीब 30 करोड़ रुपये हड़प लिए और धोखाधड़ी की। इस कारण अब गौरी खान भी जांच के लिए ईडी के रडार पर आ गई हैं। तुलसियानी ग्रुप पर धोखाधड़ी के मामले में जो केस दर्ज किया गया, उसमें गौरी खान को भी आरोपी बनाया गया था। जल्द ही इस मामले में गौरी खान से पूछताछ की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गौरी खान से पूछा जाएगा कि कंपनी के साथ उनका क्या कॉन्ट्रैक्ट था और इसके लिए कितना भुगतान किया गया था।

नए काम की बात और शिवराज की मुस्कुराहट!

नड्डा से मुलाकात के बाद बदल गए 'मामा' के सुर, दिल्ली वाला संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। शिवराज ने एक घंटे से अधिक मुलाकात के बाद एक तस्वीर साझा की जिसमें वह मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। शिवराज ने इस तस्वीर के साथ लिखा- सेवा ही संकल्प है। शिवराज ने मुलाकात के बाद इस बात का सीधा जवाब तो नहीं दिया कि उनकी नई जिम्मेदारी क्या होगी, लेकिन उन्होंने कुछ संकेत जरूर दिए। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम ने जेपी नड्डा के साथ बैठक की तस्वीर के साथ सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी से भेंट की। इस दौरान राष्ट्र उत्थान, लोक कल्याण और जनसेवा के विषय में चर्चा हुई। सेवा ही संकल्प है के ध्येय के लिए भाजपा के हम समस्त कार्यकर्ता समर्पित हैं। मुलाकात के बाद शिवराज ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि एक पार्टी के कार्यकर्ता के नाते जो भूमिका तय की जाएगी उसे वह करेंगे। शिवराज से जब पूछा गया कि वह केंद्र में काम करेंगे या राज्य में तो उन्होंने चेहरे पर मुस्कान के साथ कहा, जो पार्टी तय करेगी, हम राज्य में भी रहेंगे, केंद्र में भी रहेंगे। जब यह पूछा गया कि वह क्या चाहते हैं तो शिवराज ने हंसते हुए कहा, मैं मेरे बारे में सोचता नहीं। जो अपने बारे में सोचता है वह अच्छा इंसान नहीं होता है। जब आप बड़े मिशन के लिए काम करते हैं तो पार्टी तय करती है कि आप कहां काम करोगे। शिवराज ने कहा कि अभी उन्हें भारत संकल्प यात्रा में शामिल होना है और दक्षिण के राज्यों में जाने को कहा जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस बात का खंडन किया कि उन्हें दक्षिण भारत की जिम्मेदारी दी गई है। नड्डा से मुलाकात के बाद शिवराज ने कहा कि वह भाजपा विधायक दल की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भोपाल लौट जाएंगे। लेकिन इसके बाद उन्होंने इशारा किया कि वह दिल्ली में ही मिलेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने किए महाकाल के दर्शन

देवास होते हुए भोपाल निकले, रोड शो कर पहुंचे कांग्रेस दफ्तर

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भोपाल पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया है। वे देवास, सीहोर होते हुए भोपाल पहुंचे। वे यहां बैरागढ़ से रोड शो करते हुए पीसीसी कार्यालय पहुंचे। पटवारी ने सुबह उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन किए। यहां से देवास पहुंचे। उज्जैन से देवास के रास्ते में उनका कई जगह स्वागत किया गया। देवास में समर्थकों ने पटवारी पर जेसीबी से फूल बरसाए। रैली भी निकाली गई, जो तहसील चौराहे से नाहर दरवाजा होते हुए भोपाल

चौराहा पहुंची। इसके बाद पटवारी का काफिला भोपाल के लिए रवाना हो गया। पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष कमलनाथ ने पटवारी को नई पारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जीतू पटवारी के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होने की अपील भी की। कार्यक्रम में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी समेत तमाम सीनियर लीडर्स को आमंत्रित किया गया है। जीतू पटवारी बैरागढ़ से रैली के रूप में इमामी गेट, बुधवारा, लिली टॉकीज चौराहा, रोशनपुरा और लिंक रोड होते हुए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे।

ज्ञानवापी केस में मुस्लिम पक्ष को फिर लगा तगड़ा झटका

टाइटल सूट को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से खारिज

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद के स्वामित्व को लेकर चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद साल 1991 के मुकदमे के ट्रायल को मंजूरी मिल गई है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में वाराणसी की अदालत को 6 महीने में मुकदमे की सुनवाई पूरी करने का भी आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ज्ञानवापी का मामला प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के दायरे से बाहर है।

ऐसे में इस मामले की सुनवाई निचली अदालत में की जा सकती है। इस फैसले का असर ज्ञानवापी परिसर में किए गए सर्वे पर भी पड़ सकता है। हिंदू पक्ष का कहना है कि हाल में हुए सर्वे में वुजुखाना समेत जो एरिया रह गया है उसका भी सर्वे किया जा सकता है। इसके अलावा खुदाई की भी इजाजत दी जा सकती है। इस मामले में 8 दिसंबर को हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिन 5 याचिकाओं पर हाईकोर्ट का फैसला आया है उसमें से 2 याचिकाएं सिविल विवाद और 3 याचिकाएं एएसआई सर्वे को लेकर दाखिल की गई थीं। मुस्लिम पक्ष की ओर से दाखिल की गई याचिकाओं में कहा गया था कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के तहत इस मामले में सुनवाई नहीं की जा सकती है।

हालांकि कोर्ट ने साफ कर दिया है कि ज्ञानवापी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता है। इस कानून को 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के कार्यकाल में लाया गया था। इस कानून के तहत 15 अगस्त 1947 से पहले मौजूद किसी भी धर्म की उपासना स्थल को किसी दूसरे धर्म के उपासना स्थल में नहीं बदला जा सकता।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 20 दिसंबर, 2023

खुले में मांस के विक्रय पर रोक लगे, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का नियंत्रित प्रयोग हो

हरदा (निप्र)। प्रदेश के विभिन्न शहरों में सामान्यतः किसी भी प्रकार के व्यवसाय, दुकान, बाजार या रेहड़ी आदि लगाने के लिये नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत अनुमति प्रदान की जाती हैं। विशेष रूप से किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इन प्रावधानों का हरदा जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में पालन किया जाए। यह निर्देश अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने कलेक्ट्रेट में सोमवार को आयोजित राजस्व व पुलिस अधिकारियों की बैठक में दिये। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर.डी. प्रजापति के अलावा सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार व थाना प्रभारी मौजूद थे। अपर कलेक्टर डॉ. गौड़ा ने बैठक में निर्देश दिये कि मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच अथवा दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है।

इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। उन्होने कहा कि 31 दिसम्बर तक विशेष अभियान आयोजित कर खुले में मांस व मछली के विक्रय को प्रभावी ढंग से रोका जाए।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग के मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन कराएं : अपर कलेक्टर डॉ. गौड़ा ने बैठक में निर्देश दिये कि राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार धार्मिक स्थल अथवा अन्य स्थान पर निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप ही लाउड स्पीकर व डीजे आदि ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जाए। उन्होने लाउड स्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जाँच के लिये प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। उन्होने बताया कि मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थल और अन्य स्थानों पर मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम 2000 के प्रावधानों तथा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में राज्य शासन ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम विरूद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। अपर कलेक्टर डॉ. गौड़ा ने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि धर्म गुरूओं से संवाद और समन्वय स्थापित कर लाउड स्पीकरों को हटाने का प्रयास किया जाये।

कलेक्टर श्री दुबे से आईआईएम इंदौर से आए 24 विद्यार्थियों ने की मुलाकात जिले के गॉवों में रहकर ग्रामीण विकास को जानेंगे आईआईएम इंदौर के विद्यार्थी

रायसेन (निप्र)। भारतीय प्रशिक्षण संस्थान (आईआईएम) इंदौर के 24 विद्यार्थी जिले के गॉवों का भ्रमण करेंगे। वे यहां रहकर ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा ग्रामीण विकास कार्यो की पद्धति सीखेंगे। आज कलेक्टर श्री अरविंद दुबे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आईआईएम इंदौर से आए 24 विद्यार्थियों ने मुलाकत की। आईआईएम इंदौर से 24 विद्यार्थी जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण पर आए हैं। कलेक्टर श्री दुबे से भेंट करने के उपरांत यह विद्यार्थी सिलवानी और बेगमगंज के लिए रवाना हुए। कलेक्टर श्री दुबे ने बैठक में विद्यार्थियों से कहा कि जिले में ग्रामीण विकास कार्यो का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति कार्यक्रम और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित अन्य विकास कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि इन कार्यो से ग्रामीण जनजीवन में बेहतर और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आप भी इन बदलाव को देखें, समझे और सीखें। कलेक्टर श्री दुबे ने विद्यार्थियों को बताया कि अब ग्रामों में विकास कार्यो हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर ही अधिकतम निर्णय लिए जाते हैं तथा इनके क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा राशि उपलब्ध कराई जाती है।

उन्होंने विद्यार्थियों के साथ जिले की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, वन क्षेत्र आदि के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि जिले की लगभग 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत है। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण और विकास कार्यो की पद्धति को जानना अच्छा अनुभव रहेगा।

डीएफओ श्री विजय कुमार द्वारा भी जिले में वन क्षेत्रफल, वन्य जीवों, वन संरक्षण हेतु किए जा रहे कार्यो के बारे में बताया गया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा भी विद्यार्थियों को ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित योजनाओं, विकास कार्यो, गतिविधियों आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीएमओ का वेतन रोकने व निलंबन का प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बासौदा विकासखण्ड के बीएमओ डॉ प्रमोद दीवान के द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजनों में रूचि प्रदर्शित नहीं करने, पदीय दायित्वों के निर्वहन में कोताही बरतने तथा जिन ग्राम पंचायतो में यात्रा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन ग्राम पंचायतों में विधिवत् स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन नहीं करने के फलस्वरूप बीएमओ डॉ दीवान का वेतन रोकने के निर्देश जिला कोषालय अधिकारी श्री रूपेन्द्र सिंह मरावी को तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी को बीएमओ का निलंबन प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए है।

संयुक्त संचालक श्री शर्मा ने आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया

हरदा (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग के संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री एच. के. शर्मा ने सोमवार को परियोजना टिमरनी के आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होने इस दौरान टिमरनी के वार्ड नम्बर 5, 10 एवं 15 के आंगनवाड़ी केंद्रों व ग्राम सौताडा, निमाचाकला के केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों का वजन व ऊंचाई का सत्यापन किया तथा विकसित भारत संकल्प योजना से संबंधित दिशा निर्देश आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को दिए। उन्होंने राष्ट्रीय पोषण अभियान अंतर्गत बच्चों की सतत वजन निगरानी पर जोर देते हुए पर्यवेक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिये। श्री शर्मा ने विभिन्न विभागीय योजनाओं मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी को निर्देशित किया। इस अवसर पर परियोजना आधिकारी महिला एवं बाल विकास टिमरनी श्रीमति अंशु तिवारी व अन्य पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्रामों में ड्रोन से प्रदर्शन

विदिशा (निप्र)। विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत विदिशा जिले के जिन ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है उन ग्राम पंचायतो में ड्रोन के माध्यम से तरल नैनो यूरिया, डीएपी खाद एवं कीटनाश्क दवाओ का छिडकाव करने की अपील किसानो से की जा रही है साथ ही साथ इसका प्रदर्शन भी मौके पर किया जा रहा है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपेडिया ने बताया कि ड्रोन विधि से छिड़काव करने पर किसानो को कम समय में अधिक क्षेत्र में छिडकाव सुगमता से किया जा सकता है जिससे किसानो की लागत में कमी आएगी एवं खाद का समान मात्रा में पूरे खेत की फसल पर छिडकाव किया जा सकता है। ड्रोन द्वारा छिडकाव करने पर मजदूरो की समस्या नहीं रहेगी साथ ही छिडकाव करते समय मजदूरो को होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा। विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम के तहत लटेरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत आनंदपुर और ग्यारसपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बरीघाट में सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर किसानो को ड्रोन के माध्यम से छिडकाव करने हेतु अभिप्रेरित किया गया साथ ही साथ ड्रोन की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारियां विभागीय अधिकारियों के द्वारा किसानो को दी जा रही है।

जिलेभर में निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा

सीहोर (निप्र)। प्रदेश के साथ ही जिलेभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा 18 दिसम्बर को जिले की अनेक ग्राम पंचायतों से निकाली गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए छूटे हुए हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। विकसित भारत संकल्प यात्रा 18 दिसम्बर को प्रकार भैरून्दा जनपद की ग्राम पंचायत वासुदेव और सुकरवास तथा सीहोर जनपद की ग्राम पंचायत बराड़ीकला और छापरीकलां में निकाली गई।

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने की सीएम हेल्पलाईन और विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा विभागवार समय सीमा वाले शासकीय पत्रों और सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा के दौरान विभागों की लंबित शिकायतों तथा निराकरण की स्थिति, प्रदेश स्तर पर रैंकिंग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने सभी जिला अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पशु चिकित्सा सेवाएं, जनजातीय कार्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, अनुसूचित जाति, स्कूल शिक्षा, सहकारिता और पीएचई विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक कार्यवाही नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित जिला अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाते हुए शिकायतों का निराकरण करते हुए कार्यप्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजनों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस उद्देश्य को लेकर यह यात्रा आयोजित की जा रही है, वह पूर्ण हो। शासन की योजनाओं तथा कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाया जाए।

जिले की 10 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर आयोजित

हितग्राहियों को वितरित किए गए योजनाओं के हितलाभ किसानों के ड्रोन से उर्वरक छिड़काव तथा मिट्टी स्वास्थ्य परीक्षण का किया गया प्रदर्शन

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में 17 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू हो गई है। यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को जिले के सभी पांच विकासखण्डों में दस ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची। सांची विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत पीपलखिरिया और खरबई में, बाड़ी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत राजवाड़ा और अहमदपुर में, औबेदुल्लागंज विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत भीलखेड़ी और परखेड़ी में, सिलवानी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुण्डाली और पड़रियाकलां में तथा उदयपुरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत नयाखेड़ा और टिमरावन में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची तथा इन ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत इन ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों के प्रारंभ में जनप्रतिनिधियों द्वारा आईईसी वैन (प्रचार रथों) का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके उपरांत शिविरों में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए। शिविरों में आईईसी वैन द्वारा एलईडी के माध्यम से शासन की विभिन्न संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई। इसके अतिरिक्त शिविरों में पूर्व में शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों द्वारा मेरी कहानी-मेरी जुबानी अंतर्गत योजना का लाभ पाने के बाद जीवन में आए बदलावों और आर्थिक उन्नति के बारे में अवगत कराया गया। शिविरों में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

स्वास्थ्य शिविरों का भी किया जा रहा है आयोजन विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिनमें स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग द्वारा ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवश्यक परामर्श और उपचार भी किया जा रहा है। साथ ही आयुष्मान भारत सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने हेतु आवेदन भी प्राप्त किए जा रहे हैं। ड्रोन से खेतों में उर्वरक छिड़काव तथा मिट्टी परीक्षण का किया प्रदर्शन विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में कृषि विभाग द्वारा किसानों और ग्रामीणों के समक्ष ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक, कीटनाशकों के छिड़काव का प्रदर्शन किया जा रहा है।

साथ ही मिट्टी स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन करते हुए खतों से मिट्टी स्वास्थ्य परीक्षण के सैम्पल लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में बाड़ी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत अहमदपुर, औबेदुल्लागंज विकासखण्ड की ग्राम पंचायत भीलखेड़ी और सांची विकासखण्ड की ग्राम पंचायत खरबई में ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक, कीटनाशकों के छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। साथ ही खेतों की मिट्टी का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

शासन की जन-हितैषी योजनाओं का लाभ आम जनता को बेहतर ढंग से पहुंचना करें सुनिश्चित - कलेक्टर..,

गुना। कलेक्टर श्री तरूण राठी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री प्रथम कौशिक, अपर कलेक्टर श्री मुकेश कुमार शर्मा सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के आरंभ में कलेक्टर द्वारा ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की जन-हितैषी योजनाओं का लाभ आम जनता को बेहतर ढंग से मिले यह सुनिश्चित रहे। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाये । संकल्प यात्रा के दौरान संबंधित अधिकारी एवं डे-नोडल अधिकारी कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन आवश्यक रूप से उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाएं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर को निर्देशित करते हुए कहा कि टीबी, सिकल सेल की स्क्रिनिंग का कार्य शत-प्रतिशत किया जाये। इसके साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के कार्य में गति लाएं। इसके लिए बीएमओ सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम का सहयोग लिया जाये।

सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के दौरान धरती करे पुकार अंतर्गत कल्चरल इवेंट को अनिवार्य रूप से शामिल करें। कार्यक्रम के दौरान कम से कम 50 लोगों को शपथ दिलाएं, इसके लिए निर्धारित क्यूआर कोड स्केन कर अधिक से अधिक लोगों को मोबाइल से डाउनलोड कराया जाये। आई.ई.सी. वेन के कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर प्रधानमंत्री जी का संदेश, संकल्प-वीडियो विकसित भारत का प्रदर्शन, फिल्म का प्रदर्शन, ÷मेरी कहानी मेरी जुबानी÷ लाभार्थियों की व्यक्तिगत कहानियों का उल्लेख-अनुभव साझा किये जाएं।

तकनीकी सत्र में- ड्रोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वाइल हेल्थ कार्ड, उन्नत तकनीक आदि की जानकारी दी जाये। सांस्कृतिक कार्यक्रम ÷धरती कहे पुकार के÷ स्वच्छता गीत, सेल्फ हेल्प ग्रुप/एफ.पी.ओ./ स्कूल छात्र/ स्थानीय कलाकरों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जाएं। सम्मान एवं हितग्राही लाभ वितरण-विशेष उपलब्ध प्राप्त करने वाले महिला एवं पुरूष का सम्मान/योजनांतर्गत हितग्राहियों को लाभ वितरण आदि सुनिश्चित रहे।

स्वसहायता समूह से जुड़कर आशा की आय बढ़ी और सम्मान भी मिला

हरदा (निप्र)। ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर हरदा जिले की महिलाएं आत्म निर्भर हो रहीं है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति तो सुधर ही रही है। साथ ही समाज में उनका सम्मान भी बढ़ा है। इन्हीं में से एक है, हंडिया निवासी श्रीमती आशा केवट। पहले इनके परिवार का पालन पोषण नर्मदा नदी में से मछली पकड़कर उन्हें बेचने से प्राप्त आय से चलता था। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। गांव में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वसहायता समूह गठन का कार्य लगभग 5 वर्ष पूर्व शुरू हुआ तो आशा ने भी समूह से जुड़कर आत्म निर्भर होने की ठान ली। कुछ ही दिन में रेवा आजीविका स्वसहायता समूह की महिलाओं ने आशा को अध्यक्ष के रूप में चुन लिया। आशा ने पहले सिलाई का कार्य शुरू किया फिर कुछ दिन बाद घर में ही अगरबत्ती निर्माण का व्यवसाय शुरू किया। आशा अपनी सास के साथ घर में ही अगरबत्ती बनाकर नर्मदा तट पर छोटी से दुकान लगाकर बेचने लगी। धीरे-धीरे आय बढ़ती गई अब आशा केवट हर महिने 10 हजार रूपये से अधिक कमाने लगी है। उसके समूह को गेहूँ और मूंग उपार्जन का कार्य भी मिल गया, जिससे समूह की महिलाओं को अतिरिक्त आय होने लगी। पिछले वर्ष आशा ने अपनी बढ़ी हुई आय से हंडिया गांव में ही साड़ी सेंटर और बच्चों के कपड़ों की दुकान भी खोल ली। अब आशा अपने परिवार का बहुत अच्छी तरह पालन पोषण कर रही है और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाना चाहती है।

न्यायालयीन प्रकरणों में समय सीमा में जबाव दाखिल करें

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि उच्च न्यायालय में लंबित विभागीय प्रकरणों के मामलो में दर्ज किए जाने वाले जबाव सीमा में दाखिल कराया जाना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरते। उन्होंने कहा कि अनेक प्रकरणों में कलेक्टर को पार्टी बनाया जाता है ऐसी परिस्थितियां बनने से पूर्व अनिवार्य रूप से जबाव दाखिल हो जाए। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि जिले में विभिन्न विभागो के 296 प्रकरण उच्च न्यायालय में प्रचलित है। जिन विभागो के द्वारा लंबित प्रकरणों में जबाव दाखिल किया गया है उसकी कॉपी जिला कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। इस कार्य में कोताही ना बरते अन्यथा कार्यवाही के लिए स्वंय जिम्मेदार होंगे।

कलेक्टेउट्र के बेतवा सभागार में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए गए है। इस दौरान बताया गया कि जिले में कुल 11940 आवेदन 50 दिवस से अधिक के है जिसमें से आधे से ज्यादा आवेदन महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि जिले में विधानसभा निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण हो गई है अतः अब विभागीय कार्यो के संपादन की ओर जिलाधिकारी विशेष ध्यान देंगे खासकर लंबित आवेदनो के निराकरण हेतु पूर्वानुसार नवाचार कर शीघ्रतिशीघ्र लंबित आवेदनों के मामलो में जिले की संख्यात्मक जानकारी कम हो इसके लिए निराकरण कराया जाना अति आवश्यक है। इसी प्रकार वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त होने वाले आवेदनों के निराकरण पर भी उन्होंने विशेष बल देते हुए कहा कि यदि संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के द्वारा पत्राचार अथवा अन्य के माध्यम से यह संज्ञान में लाया जाता है कि जिला स्तरीय अधिकारी के द्वारा प्रकरणों के निराकरण में रूचि नहीं ली गई है तो उन सबके खिलाफ निलंबन के साथ-साथ आर्थिक दण्ड कार्यवाही भी की जाएगी।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि जिले में पूर्ण हुई गौशालाओं की जानकारियों को गौ-संवर्धन बोर्ड को उपलब्ध कराई जाए ताकि गौ-शालाओं के संचालन हेतु आवश्यक राशि बोर्ड के माध्यम से गौशालाओं को प्राप्त हो सकें। पूर्ण हुई गौ-शालाओं को हेण्डओवर करने की कार्यवाही की प्रक्रिया शीघ्र संपादित कराने के निर्देश पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक श्री ओपी गौर को दिए गए है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने राज्य शासन के जारी नवीनतम आदेश खासकर खुले में मांस, मछली के विक्रय पर प्रतिबंध, जिले में कोई खुला बोरवेल ना हो साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रो के संबंध में जारी आदेश का जिले में अक्षरशः क्रियान्वयन कराया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने ततसंबंध में समस्त एसडीएम को निर्देश दिए है कि थाना स्तर समीक्षा बैठके आयोजित करने के उपरांत आदेशो की अवहेलना की जाती है तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि बोरवेल के मामले में नया आदेश जारी हुआ है जिसके तहत हरेक एसडीएम को अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में खुले बोरबेलो की सघन जांच पड़ताल कराकर कम से कम एक एफआईआर अनिवार्य रूप से दर्ज कराई जाए। यदि किसी किसान के खेत में बोरवेल खुला पाया जाता है तो संबंधित किसान के खिलाफ इसी प्रकार सरकारी विभागो के द्वारा खनन कराए गए बोरवेल खुले पाए जाते है तो उन विभागो के जिलाधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री भार्गव ने जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जन कार्यो को क्रियान्वित कराने वाले विभागो के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि गेंहू की खरीदी शत प्रतिशत वेयर हाउस पर हो। गेहूं चना, मसूर एवं सरसो के उपार्जन हेतु आवश्यक वारदानो की पूर्ति के लिए मांग अभी से करने के निर्देश उन्होनें दिए है। इसी प्रकार जिले में यूरिया की उपलब्धता के संबंध में भी बतलाया गया कि जिले के सभी डबल लॉको में यूरिया उपलब्ध है दस टन और यूरिया की आवश्यकता को ध्यानगत रखते हुए कंपनी से टाईअप कर पूर्ति कराया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
इंदौर, बुधवार 20 दिसंबर, 2023

संजय शुक्ला ने आयोजित किया कार्यकर्ता सम्मेलन

विधानसभा 1 के चुनाव परिणाम की करेंगे समीक्षा

इंदौर। कांग्रेस के पूर्व विधायक एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला के द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के इस क्षेत्र के परिणाम की समीक्षा की जाएगी।

विधानसभा चुनाव होने के बाद से लगातार इस बात पर चिंतन मनन किया जा रहा है कि चुनाव का परिणाम क्या रहा और क्यों रहा है। अब इस चिंतन मनन में पूरे विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं, बूथ स्तर पर काम करने वाले सभी सहयोगियों को सहभागी बनने के लिए संजय शुक्ला के द्वारा आज 20 नवंबर को शाम 7~00 बजे कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह सम्मेलन खड़ा गणपति मंदिर के पीछे स्थित निशा मैरिज गार्डन में आयोजित किया गया है। सम्मेलन में इस बात की योजना बनाई जाएगी की विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को एक बार फिर किस तरह से तैयार किया जाए। कार्यक्रम सहभोज के साथ समाप्त होगा।

बड़ा हादसा टला : दिल्ली से इंदौर आ रही ट्रेन और कार में भिड़ंत, कोई जनहानि नहीं

इंदौर। शहर में मंगलवार सुबह अलसुबह बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली से इंदौर आ रही ट्रेन और एक कार में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है सिर्फ माल की हानि हुई है।

दरअसल ट्रेन नम्बर 20958 दिल्ली से इंदौर आ रही थी तभी एक कार पटरी पार कर रही थी। इसी दौरान धड़धड़ाते हुए ट्रेन आ गई और कार से भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और कार चालक बाल बाल बच गया। हादसा सुपर कॉरिडोर के पास सुबह 6 बजे का है। हादसे के बाद पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों जब पता चला कि कोई हताहत नहीं हुआ है तो राहत की सांस ली। इस मामले में कार चालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जल्दबाजी में पटरी पार करने के चक्कर में बड़ा हादसा टल गया।

बिना कारण नौकरी से निकाले जाने पर किया प्रदर्शन

नौकरी नहीं मिली तो जाएंगे कोर्ट

इन्दौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर साफ-सफाई का काम करने वाली कंपनी के पूर्व कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना था कि वे सालों से एयरपोर्ट पर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें बिना किसी कारण के नौकरी से निकाल दिया गया है और अब उनके सामने जीवनयापन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी एयरपोर्ट पर हाउसकीपिंग का काम करने वाली बीवीजी कंपनी के कर्मचारी रहे हैं, जिन्हें 1 अगस्त से काम से निकाल दिया गया है। इनकी संख्या 80 से ज्यादा है। इनमें महिला और पुरुष दोनों ही शामिल हैं। काम से निकाले जाने का कोई स्पष्ट कारण भी कर्मचारियों को नहीं बताया गया है। इससे परेशान कर्मचारियों ने पूर्व में मंत्री तुलसी सिलावट से भी शिकायत की थी, वहीं हाल ही में कर्मचारियों ने श्रमायुक्त के साथ ही क्षेत्रीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय को भी शिकायत की है।

एयरपोर्ट प्रबंधन और कंपनी एक दूसरे पर ढोल रहे- कर्मचारियों ने बताया कि जब हमने नौकरी से निकाले जाने का विरोध अपनी कंपनी से किया तो कंपनी ने बताया कि विमानतल प्रबंधन ने पुराने कर्मचारियों को हटाकर नए कर्मचारियों को रखने के आदेश दिए हैं। इस पर जब एयरपोर्ट डायरेक्टर से मुलाकात की तो उन्होंने कहा कि सफाईकर्मियों की नियुक्त कंपनी का काम है, हमने ऐसे कोई आदेश नहीं दिए, आप कंपनी से ही बात कीजिए।

सीएम सिंगल क्लीक से करेंगे हुकुमचंद मिल के मजदूरों की राशि का वितरण

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा लगातार हुकुमचंद मिल के मजदुरों के हक के लिये प्रयास किया गया जिसके परिणाम स्वरूप मुख्यमंत्री द्वारा हुकुमचंद मिल के मजदुरों की राशि का वितरण सिंगल क्लीक के माध्यम से किया जावेगा। इस पर महापौर द्वारा मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, धन्यवाद ज्ञापित किया गया। साथ ही मध्य प्रदेश शासन द्वारा नगरीय क्षेत्र में 30 प्रतिशत तक कम्पाउडिंग करने के नियम में संशोधन करने तथा शहर के 24 मीटर से अधिक चौडाई के मार्ग पर लेंण्डयुज पर कमर्शियल करने के अधिकार मंजूरी देने पर भी मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सतर्क रहने की अपील

इंदौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस.सैत्या ने बताया कि वर्तमान में बदलते मौसम एवं आगामी त्योहारों को देखते हुए आईएलआई एवं एसएआरआई के लक्षणों वाले मरीजों के बढ़ने की संभावना होती है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन में दिए निर्देशानुसार क्र्रू ष्थ12छ्ह-1 वैरिएंट यू.एस.ए., चाइना, सिंगापुर एवं भारत में रिपोर्ट हुए है। भारत में 79 महिलाओं में अत्यंत हल्के लक्षणों के साथ मिला है। इसके सामान्य लक्षण कोविड-19 के जैसे ही है, इसके प्रसार की तीव्रता के कोई संकेत नहीं हैं। अभी के समय में ऐसे कोई प्रमाण नहीं है कि इसके प्रसार के संकेत मिल रहे या स्वास्थ्य को काई खतरा है। आरटीपीसीआर टेस्ट ही जन स्वास्थ्य के लिए प्रभावी है। आम जनता से अपील गई है कि वे कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए इस संक्रमण से बचे। हाथ बार-बार धोएं, सावर्जनिक स्थानों पर मास्क का प्रयोग करें, खांसते-छीकते समय मुँह पर हाथ रखे, यदि किसी को भी आईएलआई एवं एसएआरआई के लक्षण दिखाई देते हैं, तो वे अपनी जाँच निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में करवाएं।

ढाबे पर खाने को लेकर हुआ विवाद, घटना में एक ग्राहक की मौत

इंदौर। ढाबे पर खाना खाने गए ग्राहकों का ढाबे वाले से विवाद हुआ और विवाद मारपीट तक जा पहुंचा। घटना में एक ग्राहक की मौत हो गई, जबकि उसके साथी घायल हुए हैं। घटना के बाद पुलिस कार्रवाई कर रही है। विवाद खाने की बात को लेकर हुआ था। किशनगंज पुलिस ने बताया कि 33 साल का विष्णु पिता बलराम परमार निवासी भैसलाय साथी पवन, सोहन, गोविंद और गोलू के साथ भैसलाय स्थित राजपूत ढाबे पर खाना खाने के लिए गया था। पुलिस का कहना है कि इन लोगों ने खाने का आर्डर दिया तो ढाबे के संचालक ने कहा कि आज खाना बनाने वाला उस्ताद नहीं आया, जिसके चलते खाना नहीं मिलेगा। इसी बात को लेकर कहा-सुनी हुई और ढाबे वाले ने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला कर दिया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत जरूरतमंद पात्र परिवारों को दिये जायेंगे निःशुल्क गैस कनेक्शन

इंदौर। इंदौर जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस यात्रा के दौरान नागरिकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित भी किया जा रहा है। खाद्य विभाग द्वारा जरूरतमंद पात्र परिवारों को निशुल्क गैस कनेक्शन देने के लिये संकल्प यात्रा के दौरान आवेदन लिये जा रहे हैं। बताया गया कि विगत दिनों आयोजित हुये संकल्प यात्रा के मुख्य कार्यक्रम में 51 जरूरतमंद परिवारों को निशुल्क गैस कनेक्शन दिये गये।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 अंतर्गत छुटे हुए/माईग्रेंट (प्रवासी) परिवारों को उनकी पात्रता अनुसार योजना अंतर्गत निःशुल्क गैस कनेक्शन प्राप्त हो सकेंगे। योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर अपर कलेक्टर (खाद्य) की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा पात्र आवेदको से गैस कनेक्शन प्राप्त करने हेतु आवेदन प्राप्त कर गैस कनेक्शन जारी करने की समुचित कार्यवाही की मॉनिटरिंग की जायेगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रतिदिन आयोजित होने वाले शिविरों में पात्र महिला हितग्राहियों के फॉर्म भरवाए जायेगें एवं गैस कनेक्शन भी वितरित किए जायेंगे। गैस कनेक्शन फॉर्म निकटतम गैस एजेंसी कार्यालय पर भी भरे जायेंगे। योजना के पात्रता के मापदंड में कोई भी वयस्क महिला जो अनुसुचित जाति गृहस्थी, अनुसुचित जनजाति, प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) के हितग्राही, अति पिछ्डा वर्ग, अन्त्योदय अन्न योजना, चाय ओर पूर्व चाय बागान जनजातियां, वनवासी,द्वीप एवं नदी द्वीप में निवासरत, स्थ्वष्ट्ट गृहस्थी, 14 बिंदुओं के घोषणा पत्र अनुसार गरीब गृहस्थी (घोषण पत्र स्वयं हितग्राही द्वारा दिया जायेगा) श्रेणी के परिवार आवश्यक दस्तावेज देकर योजना का लाभ ले सकते है। गैस कनेक्शन केवल परिवार की वयस्क महिला के नाम से जारी किया जायेगा। उज्ज्वला योजना 2.0 अंतर्गत जिले में 310 केवाईसी भरवा कर 234 गैस कनेक्शन निशुल्क दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि विगत दिवस विकसित भारत संकल्प यात्रा के शुभारंभ अवसर पर संपन्न हुए जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में 51 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन का वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 400 से अधिक लाउडस्पीकर और भोंपू स्वेच्छा से हटाए

स्वेच्छा से लाउडस्पीकर उतारने वालों को प्रोत्साहित किया जाएगा

इंदौर। नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर धार्मिक जगहों से लाउड स्पीकर और कोलाहल अधिनियम के तहत शोर पर रोक लगाई जा रही है, जिस पर धार्मिक क्षेत्र के कर्ताधर्ता बढ़-चढक़र हिस्सा ले रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिर-मस्जिदों से लगभग 400 से अधिक लाउडस्पीकर और भोंपू स्वेच्छा से हटाए जा चुके हैं। वहीं शहरी क्षेत्र में पुलिस प्रशासन को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वेच्छा से लाउडस्पीकर उतारने वालों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन की समझाइश इंदौर में काम कर रही है। विभिन्न धार्मिक स्थलों में अतिरिक्त रूप से लगे लाउडस्पीकर निकाले जाने की कार्रवाई की जा रही है। कल चंदन नगर क्षेत्र की नूरी मस्जिद से स्वेच्छा से लाउडस्पीकर हटाए गए। वहीं कई अन्य क्षेत्रों की मस्जिदों में भी प्रक्रिया की जा रही है।

कलेक्टर इलैया राजा टी की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। पुलिस प्रशासन के कई टीआई ने आ रही विभिन्न तरह की परेशानियां साझा की, जिसमें यह मुद्दा उठा कि लाउडस्पीकर उतारने के दौरान कई मस्जिदों पर लिखित में आदेश मांगे जा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए धार्मिक गुरुओं से चर्चा करने की बात कही। ज्ञात हो कि थाना स्तर पर धार्मिक स्थलों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के बेजा इस्तेमाल रोकने के निर्देश दिए गए हैं, जिसको लेकर थाना स्तर पर ही धार्मिक गुरुओं की बैठक आयोजित की जा रही है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का इस्तेमाल करने की समझाइश दी जा रही है।

45 उड़नदस्तों का गठन- ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा 45 उड़नदस्तों का गठन किया गया है। थानावार गठित किए गए उड़नदस्तों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार के साथ-साथ थाना प्रभारी व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारियों को शामिल किया गया है। तीन दिन के अंदर समुचित जांच प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश इन सभी उड़नदस्तों को दिए गए हैं। आयोजित बैठक में समझाइश व जागरूकता का कार्य तेजी से जारी रखने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि कानून, नियम और निर्देशों की अवहेलना नहीं की जाए, इसका ध्यान रखा जाए। अवहेलना करने वालों को समझाइश दी जाए, ताकि वे स्वेच्छा से ध्वनि विस्तारक यंत्रों को हटाएं। ज्ञात हो कि निर्देश के अनुसार लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से पहले संबंधित अधिकारी से अनुमति लिए जाने के निर्देश हैं।

26 दिसम्बर तक चलेगा फाइंडिंग सर्वे अभियान, सर्वे में 32 टीमें जुटी

इंदौर। शहर में मौजूद फेफड़े की टीबी वाले पुराने मरीजों के आसपास वाले घर और पड़ोसी इलाकों में जिला क्षय उन्मूलन केंद्र ने पिछले हफ्ते से टीबी के संदिग्ध मरीजों को ढूंढने का सर्वे अभियान चला रखा है। इस सर्वेक्षण को टीबी एक्टिव केस फाइंडिंग सर्वे अभियान नाम दिया गया है। इस सर्वे के अंतर्गत फेफड़े की टीबी वाले पुराने मरीजों के घर के आसपास किए गए सर्वे और सैम्पल की जांच में अब तक फेफड़े की टीबी के 35 नए मरीज मिले हैं।

जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र जैन के अनुसार ठंड के मौसम यानि सर्दी के दिनों में फेफड़े की टीबी वाले मरीजों के खांसने और खखार थूकने से इसके सम्पर्क में आने वालों में टीबी के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसीलिए शहर में 11 दिसम्बर से टीबी एक्टिव केस फाइंडिंग सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 15 दिन में पिछले साल 2022 में रजिस्टर्ड 3527 टीबी मरीजों के साथ या उनके आसपास रहने वाले संदिग्धों के सैम्पल की जांच की जाना है। इनमें से अभी तक 995 मरीजों के आसपास के घरों की जांच हो चुकी है। यह सर्वे अभियान और जांचें 26 दिसम्बर तक जारी रहेंगी।

अब तक 3000 से ज्यादा संदिग्धों की जांच

इस अभियान में 11 दिसम्बर से फेफड़े की टीबी के 3527 पुराने मरीजों में से अब तक 995 टीबी मरीजों के आसपास संपर्क में रहने वाले 4239 संदिग्ध लोगों की खखार की जांच की जा चुकी है। जांच से पता चला कि इनमें से अब तक 35 नए मरीज फेफड़े की टीबी की चपेट में आ चुके हैं। इन सभी मरीजों का तत्काल मुफ्त इलाज शुरू कर दिया गया है। बाकी मरीजों के आसपास इस हफ्ते सर्वे किया जाना है, जो आज से फिर शुरू हो रहा है। एक टीम एक दिन में एक मरीज के आसपास 10 घरों में जाकर सर्वे और जांच कर रही है।

जिला क्षय उन्मूलन केंद्र कार्यालय इंदौर के सीनियर सुपरवाइजर आशीष शुक्ला के अनुसार शहर में पिछले साल के पल्मोनरी टीबी यानि फेफड़े से सम्बंधित संक्रामक टीबी के 3527 मरीज मौजूद हैं। इन्हीं के मरीजों के घर और आसपास में 32 टीमों के जरिये टीबी एक्टिव केस फाइंडिंग सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। एक टीम में 2 से तीन कर्मचारी मौजूद रहते हैं। 11 दिसम्बर से अभी तक 995 पुराने मरीजों के आसपास के 4239 घरों में सर्वे और जांच हो चुकी है। एक टीम को एक मरीज के आसपास के 10 घरों के सर्वे की जिम्मेदारी दी गई है।

मुफ्त इलाज के साथ हर महीने 500 रुपए

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले साल के फेफड़े वाली टीबी के 3527 मरीजों के अलावा इस साल शहर और इंदौर जिले 94 हजार 784 संदिग्धों के सैम्पल्स की टीबी संबंधित जांचें की गईं। इनमें से 9219 में टीबी की बीमारी पाई गई। इन सभी का इलाज जारी है। सरकार टीबी के मरीजों की सारी जांच और इलाज बिल्कुल मुफ्त करती है। इतना ही नहीं इलाज के साथ इन्हें ठीक होने तक हर महीने 500 रुपए की आर्थिक सहायता भी देती है।

यदि15 दिन से लगातार खांसी चल रही है तो

डॉ. शैलेन्द्र जैन ने बताया कि टीबी 2 प्रकार की होती है। एक संक्रामक और दूसरी गैर संक्रामक टीबी। सर्दी के दिनों में संक्रामक टीबी यानि फेफड़े से सम्बंधित टीबी के फैलने का ज्यादा खतरा रहता है। इसलिए यदि किसी को भी 15 दिन से लगातार खांसी चल रही है तो तुरंत टीबी अस्पताल में जाकर दिखाएं। इसका इलाज सरकार द्वारा बिल्कुल मुफ्त किया जाता है।

स्वयंसेवक सहित मातृशक्ति को भवन का अवलोकन करवाया जाएगा

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नया प्रांतीय भवन कैसा है और वहां किस तरह की सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसको लेकर विभिन्न जिलों के समर्थकों को कार्यालय का भ्रमण कराया जाएगा।द्वारिका जिले के स्वयंसेवक और चुनिंदा पदाधिकारी पंतवैद्य कालोनी पहुंचे और अपने नए भवन को देखा। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रय होसबोले की मौजूदगी में संघ के नए प्रांतीय कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस दौरान संघ और उसके अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी तथा भाजपा संगठन के चुनिंदा लोगों को ही निमंत्रण दिया गया था। डॉ. हेडगेवार समिति के सचिव राकेश यादव ने बताया कि विभिन्न जिलों के स्वयंसेवकों को भवन का अवलोकन कराया जा रहा है। 21 को जगन्नाथ तो अंतिम दिन रामेश्वरम जिले के स्वयंसेवक और पदाधिकारी आएंगे। अंतिम दिन मातृशक्ति भी यहां पहुंचेंगी। सभी को पूरे भवन का अवलोकन करवाया जाएगा और भवन में शामिल सुविधाओं तथा तकनीक की जानकारी दी जाएगी।

ढाई आखर प्रेम सांस्कृतिक यात्रा 22 से

इंदौर – बड़वानी से महेश्वर तक होगी प्रस्तुति

इंदौर। देश और दुनिया में अमन रहे, लोगों के बीच प्यार- मोहब्बत, भाईचारा- बहानापा, अपनापन रहे। युद्ध और दंगे न हो। कोई बच्चा यतीम न हो, किसी का घर न उजड़े। इंसानियत ऐसी मंजिल तक पहुंचे जिसका सपना महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध, अमीर खुसरो, संत कवि कबीर, रविदास, मीरा, गुरु नानक, रहीम आदि ने देखा था। इसी सोच के तहत देश में कबीर की वाणी से ÷ढाई आखर प्रेम÷ लेकर यात्रा निकाली जा रही है। ऐसी ही यात्रा गत वर्ष भी निकाली गई थी। तब इस यात्रा का दायरा केवल पांच राज्यों तक ही सीमित था। इस वर्ष की यात्रा देश के 22 राज्यों में निकाली जा रही है। मध्य प्रदेश में ढाई आखर प्रेम यात्रा 22 से 27 दिसंबर तक निकलेगी। यात्रा का इंदौर में शुभारंभ पश्चात बड़वानी से महेश्वरी तक के मार्ग में अनेक गांव बस्तियों, चौराहों पर प्रेम- भाईचारे के गीत गाए जाएंगे, नाट्य प्रस्तुतियां होगी। यात्रा की आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश-प्रदेश एवं इंदौर के लेखक, विद्यार्थी, पत्रकार रंग कर्म से जुड़े संगठनों, महिला, श्रम संगठनो कबीर, आदिवासी, विज्ञान, गांधीवादी संगठनों द्वारा आयोजित यात्रा

कार्यक्रम अंतर्गत इंदौर और महेश्वर में बड़े सार्वजनिक आयोजन होंगे। श्रम का सौंदर्य प्रेम और संगीत अंतर्गत यात्रा का शुभारंभ 22 दिसंबर को इंदौर में होगा। स्थानीय गांधी हाल परिसर में खादी दुर्दशा पर प्रोफेसर कीर्ति यादव का व्याख्यान पश्चात कबीर वाणी के विख्यात गायक पद्मश्री प्रहलाद टिपानिया अपनी प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर खादी तथा हथकरघा निर्मित वस्त्रों पर आधारित फैशन प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। जिसे विख्यात फैशन डिजाइनर बेंगलुरु के प्रसाद बिडपा, नागेंद्र प्रसाद, बी अल्बर्ट, देवराज प्रस्तुत करेंगे

23 दिसंबर की प्रातः इंदौर से प्रारंभ यात्रा पीथमपुर, खलघाट, ठीकरी, अंजड़ होते हुए सायंकाल बड़वानी पहुंचेगी। 24 तारीख को बड़वानी में गांधी समाधि से प्रारंभ यात्रा गांव जांगरवा,जामदा बसाहट, पिछोड़ी गांव होती हुई घाटीगांव पहुंचेगी। रात्रि विश्राम पश्चात 25 दिसंबर को यात्रा गणपुर चौकड़ी, कवठी, एक्कलवारा, मूलगांव सेमल्दा, धर्मपुरी बस स्टैंड से होती हुई रात्रि में महेश्वर पहुंचेगी। 26 दिसंबर की प्रात~ महेश्वर में प्रभात फेरी निकाल कर गोगांवा पहुंचेंगे। सायंकाल महेश्वर के अहिल्या घाट पर विख्यात अभिनेत्री मीता वशिष्ठ प्रस्तुति देगी। कबीर के भजन, जनगीत और सूफी संगीत का आयोजन होगा। इस अवसर पर ख्याति प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर भी शामिल होंगी। 26 की रात्रि को इंदौर पहुंचकर 27 की प्रातः मालवा मिल क्षेत्र में जन गीत रैली निकाली जाएगी। दोपहर में शहीद सआदत खान स्मारक पर आयोजन पश्चात सांय काल अभिनव कला समाज सभागृह में ÷युद्ध और मीडिया÷ विषय पर वरिष्ठ पत्रकार भाषा सिंह का व्याख्यान होगा। प्रेम के पक्ष में कोलाज फ्लोरा बोस एवं उनके साथी प्रस्तुत करेंगे। इस यात्रा जत्थे में इंदौर के अलावा अशोकनगर, भोपाल, छतरपुर, मंदसौर, उज्जैन, देवास एवं अन्य स्थानों के अनेक कलाकार लेखक और आमजन शामिल होंगे।

नगर निगम के झोन 15 पर नल कनेक्शन करवा रहे ठेकेदार

10 हजार से अधिक वसूल रहे कनेक्शन के मनमाने रुपए

इंदौर। नगर निगम के झोन क्रमांक 15 पर नर्मदा के पानी के नल कनेक्शन का काम प्राइवेट ठेकेदार कर रहे हैं। नल के लिए आवेदन फार्म भरने से लेकर कनेक्शन करने तक का सभी काम इन्हीं प्राइवेट ठेकेदारों के भरोसे छोड़ दिया है। यहां बैठने वाले निगम के जल यंत्रालय के क्लर्क और अन्य कर्मचारियों से जब कोई व्यक्ति नल कनेक्शन के लिए आता है तो ये इन्हीं प्राइवेट ठेकेदारों से संपर्क करने का बोल देते हैं। तब ये ठेकेदार नल कनेक्शन के लिए 10 हजार रुपए से भी अधिक वसूल रहे हैं। ऐसा लगता है कि निगम अधिकारियों ने इन्हें लोगों को इस तरह लूटने की खुली छूट दे रखी है।

जानकारी अनुसार नगर निगम का झोन क्रमांक 15 के अंतर्गत वार्ड 71, 72 और अन्य वार्ड आते हैं। इन वार्डों में लगभग सभी पॉश कॉलोनियां आती हैं। इनमें रहवासियों को नल कनेक्शन के लिए नगर निगम के झोन क्रमांक 15 पर ही संपर्क करना पड़ता है। यहां निगम कर्मचारी नल कनेक्शन के लिए तीन प्राइवेट ठेकेदारों से बात करने का कहा जाता है। इन तीनों प्राइवेट ठेकेदारों के नाम और मोबाइल नंबर तक निगम कर्मचारी-अधिकारियों ने एक कागज पर लिखकर कार्यालय के गेट के पास चस्पा किए गए हैं। इसके पीछे बताते हैं कि लोगों को कोई परेशानी नहीं हो।

आवेदन फार्म तक ठेकेदारों से ही भरवाने के लिए कहते हैं- नल कनेक्शन के लिए आवेदन फार्म हालांकि ऑनलाइन भरना पड़ता है, लेकिन नगर निगम के झोन क्रमांक 15 पर पदस्थ निगम कर्मचारी नल कनेक्शन के लिए फॉर्म भी ठेकेदार से ही भरवाने के लिए कहते हैं। इस पर ठेकेदार का कहना रहता है कि आप तो हमें दस्तावेज देने हम फॉर्म भर के ऑनलाइन जमा भी कर देंगे और उसे ऑनलाइन भी कर देंगे।

ठेकेदार का बचाव करते रहे उपयंत्री- मामले में वास्तविकता में कितना खर्चा आता है इसकी जानकारी के लिए झोन 15 पर पदस्थ निगम उपयंत्री नितेश सिंह से जब चर्चा की तो उन्होंने कहा कि ठेकेदार आपको कार्य से पहले हर काम का एस्टीमेट देगा, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि इस पूरे कार्य का सरकारी खर्च छोड़कर अन्य खर्च कितना है। पूरे मामले में वे भी कुल मिलाकर प्राइवेट ठेकेदारों का ही बचाव करते नजर आए।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 20 दिसंबर, 2023

संपादकीय | मुक्त व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की उम्मीद

भारत और ओमान के बीच व्यापारिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्ते बहुत पुराने हैं। आपसी विश्वास और सम्मान के आधार पर दोनों रणनीतिक साझीदार रहे हैं। अब दोनों देशों के रिश्ते नए दौर में प्रवेश करने जा रहे हैं। ओमान के शासक सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद पहली बार भारत की यात्रा पर आए हैं। यह छब्बीस वर्ष बाद ओमान के किसी शासक की यात्रा हुई है। राष्ट्रपति भवन में उनके राजकीय स्वागत और फिर उनसे बातचीत के बाद भारत के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस यात्रा के बाद दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक दौर में पहुंचने वाले हैं।

हैथम की इस यात्रा से दोनों देशों में मुक्त व्यापार समझौते के जल्द से जल्द पूरा होने की उम्मीद बनी है। पिछले महीने के आखिरी और इस महीने के पहले सप्ताह में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच इस विषय में दो दौर की बातचीत हो चुकी है। फिलहाल दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार के लिए संयुक्त दृष्टि दस्तावेज को स्वीकार किया है, जिसमें समुद्री क्षेत्र, संचार, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा में साझेदारी प्रमुख हैं।

पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले वित्तवर्ष में भारत और ओमान के बीच 12.39 अरब डालर का कारोबार हुआ, जबकि उसके पहले के वित्तवर्ष में यह 5.4 अरब डालर का था। स्वाभाविक ही इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक साझेदारी बढ़ाने को लेकर उत्साह है।

वर्ष 2008 के बाद से विभिन्न मुद्दों पर दोनों देशों के बीच नियमित वार्ता और करार होते रहे हैं। सुरक्षा सहयोग, प्रतिरक्षा तथा क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री

क्षेत्र में सुरक्षा और संरक्षा सहित आपसी हितों के मुद्दों पर वार्षिक बैठकें होती रही हैं। ओमान एक ऐसा देश है, जिसके साथ भारत की तीनों सेनाओं के अभ्यास आयोजित होते रहे हैं। फिर वह हिंद महासागर और अरब सागर की एक ऐसी संधि पर स्थित है, जिसके साथ भारत के रिश्ते रणनीतिक रूप से बहुत लाभकारी हैं। खासकर समुद्री सुरक्षा के मामले में चीन से मिल रही चुनौतियों के मद्देनजर ओमान की दोस्ती ज्यादा अहम है। उससे भारत के सामरिक, सुरक्षा, आतंकवाद, नई तकनीकों के जरिए मिल रही चुनौतियों आदि से पार पाने संबंधी समझौते हैं। फिर वह खाड़ी सहयोग परिषद, अरब लीग तथा हिंद महासागर रिम एसोसिएशन में एक महत्वपूर्ण वार्ताकार है, जिसके चलते खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। ओमान के रास्ते खाड़ी देशों से व्यापार में सहूलियत होती है।

अभी जिस तरह वैश्विक स्थितियां बदल रही हैं और उनमें आर्थिक, व्यापारिक, सामरिक समीकरण उलझ रहे हैं। महाशक्तियां अपने ढंग से विश्व अर्थव्यवस्था को संचालित करने की कोशिश कर रही हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर इजराइल-हमास संघर्ष के चलते सबसे अधिक असर विकासशील और अविकसित देशों की आपूर्ति शृंखला पर पड़ रहा है। भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है। इसलिए वैकल्पिक रास्ते तलाशे जा रहे हैं।

हालांकि भारत अनेक मामलों में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ चला है, मगर निर्यात और कच्चे तेल के आयात के मामले में उसके सामने बड़ी चुनौतियां हैं। विकासशील देशों को एकजुट कर व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और महाशक्तियों के प्रभाव से मुक्त होने की कोशिशें पिछले कुछ समय में तेज हुई हैं। ऐसे में ओमान के साथ व्यापार बढ़ने से निश्चय ही भारत को बड़ा बल मिलेगा।

सोशल मीडिया से...

विरासत और विकास की पटरी पर आज भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हमारी संस्कृति को निशाना बनाया गया। देश अपनी विरासत पर गर्व करना भूल गया था। अब समय का चक्र बदल गया है। देश अब गुलामी की सोच से मुक्त हो रहा है। गुलामी के कालखंड में अत्याचार हुआ। देश आधुनिकता में भी तेजी से बढ़ रहा है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विधानसभा में पुराने और अनुभवी साथी भी चुनकर आए हैं। नई पीढ़ी का भी पर्याप्त समावेश दिख रहा है। एक और आनंद का विषय है, पीढ़ी परिवर्तन भी हुआ है। मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं तो उमंग सिंघार नेता प्रतिपक्ष। पीढ़ी परिवर्तन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश प्रगति और विकास की नई ऊंचाइयां छुएगा।

शिवराज सिंह चौहान, पूर्व सीएम मप्र

विपक्ष के साथ मिलकर सकारात्मक प्रदेश के लिए काम करेंगे। महाकाल लोक, ओरछा सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर अनुष्ठान करेंगे। विधायक और मंत्रियों के लिए प्रशासनिक दक्षता की ट्रेनिंग कराई जाएगी।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

प्रधानमंत्री ने मुझे 20 दिसंबर को सुबह 11 बजे मिलने का समय दिया है। उन्होंने (केंद्र) स्वास्थ्य विभाग के लिए फंड रोक दिया है। केंद्र की सरकार ने इसलिए पैसा रोका है क्योंकि वह स्वास्थ्य केंद्रों को भी भगवा रंग से रंगना चाहती है।

ममता बनर्जी, सीएम प. बंगाल

आज का कार्टून

परिवर्तन ने शिवराज को किया विदा...!

शिवराज सिंह चौहान की विदाई के कर्म को लेकर भाजपा और आमजन में चर्चा शुरू हो गई है ऐसे में बहनों की भावुक प्रतिक्रिया और उस पर मामा के इमोशन राजनीति में भावुकता का रंग घोल रहे हैं। आने वाले लोकसभा चुनाव में इसका कितना प्रभाव पड़ेगा यह भाजपा के डैमेज कंट्रोल सिस्टम की संवेदनशीलता पर काफी कुछ निर्भर करेगा। कांग्रेस और प्रतिपक्ष अलबत्ता यह चाह रहा है कि भाजपा में मामा की विदाई का मामला और तूल पकड़े। लेकिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकेत दिए हैं कि शिवराजसिंह को जल्द ही जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी ने यहां थोड़ी सी चूक कर दी।जैसे मुख्यमंत्री चयन करते समय दो डिप्टी सीएम और विधानसभा अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी थी ठीक तभी शिवराज सिंह को भी किसी नए दायित्व को देने का ऐलान कर दिया जाता तो संभवत इतना रायता नहीं फैलता। पार्टी नेतृत्व समय के साथ सब चीजों को सुधार लेगा लेकिन ऐसे माहौल में नए मुख्यमंत्री मोहन यादव के लिए भी भरपूर चुनौतियां झेलनी पड़ेगी।

राघवेन्द्र सिंह

भाजपा और कांग्रेस के साथ देश के दलों में पीढ़ी परिवर्तन का दौर चल रहा है। इसके चलते अगले छह महीने में सूबे और सेंट्रल की सियासत से कई दिग्गज विदा होते दिखाई देंगे। मध्यप्रदेश से चार बार के मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड बनाने वाले शिवराज सिंह चौहान की विदाई इसी बदलाव का जबरदस्त संकेत है। मप्र में पार्टी ने पहले ही साफ कर दिया था कि अबकी बार नया नेता सीएम होगा। लेकिन साढ़े अट्ठारह साल की एन्टीइनकबेंसी बीच मोदी के नाम पर बेटियों और बहनों ने जब भाजपा को 163 सीटों पर जीत दिलाई तो लगा क्या पांचवीं बार सीएम बन जाएंगे मामा शिवराज सिंह ? हालांकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ की भांति मप्र में भाजपा बहुत कठिन दौर में थी। खैर शिवराज सिंह के सीएम नही बनने के और भी कई कारण हैं। जिसमें उनका बढ़ता कद भी अपने समकालीन और एक दो पायदान ऊपर के नेताओं की आंखों की किरकिरी बनता जा रहा था। सूबे में जगत मामा की विदाई के तरीके को थोड़ा अपमानजनक भी माना जा रहा है।

शिवराज सिंह चौहान की विदाई के कर्म को लेकर भाजपा और आमजन में चर्चा शुरू हो गई है ऐसे में बहनों की भावुक प्रतिक्रिया और उस पर मामा के इमोशन राजनीति में भावुकता का रंग घोल रहे हैं। आने वाले लोकसभा चुनाव में इसका कितना प्रभाव पड़ेगा यह भाजपा के डैमेज कंट्रोल सिस्टम की संवेदनशीलता पर काफी कुछ निर्भर करेगा। कांग्रेस और प्रतिपक्ष अलबत्ता यह चाह रहा है कि भाजपा में मामा की विदाई का मामला और तूल पकड़े। लेकिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकेत दिए हैं कि शिवराजसिंह को जल्द ही जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी ने यहां थोड़ी सी चूक कर दी।जैसे मुख्यमंत्री चयन करते समय दो डिप्टी सीएम और विधानसभा अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी थी ठीक तभी शिवराज सिंह को भी किसी नए दायित्व को देने का

ऐलान कर दिया जाता तो संभवत इतना रायता नहीं फैलता। पार्टी नेतृत्व समय के साथ सब चीजों को सुधार लेगा लेकिन ऐसे माहौल में नए मुख्यमंत्री मोहन यादव के लिए भी भरपूर चुनौतियां झेलनी पड़ेगी। दरअसल शिवराज सिंह की सहज सरल कार्यशाली नए मुख्यमंत्री में संगठन- कार्यकर्तागण, विधायक और जनता ढूंढने की कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार द्वारा नौकरशाही पर नियंत्रण के साथ कठोर निर्णय और उनके त्वरित क्रियान्वयन ही इसकी काट साबित हो सकेंगे। अभी तो मंत्रिमंडल विस्तार विभागों का वितरण और सीनियर विधायकों के साथ तालमेल यह कठिन चुनौती होंगे लोकसभा चुनाव तक कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री यादव का संगठन सरकार और जनता के बीच हनीमून पीरियड चलेगा लेकिन उसके बाद बाल की खाल निकालना शुरू हो जाएगी।यही दौर मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के लिए मुश्किल भरा हो सकता है।

कांग्रेस हाई कमान ने मध्य प्रदेश कांग्रेस में कमलनाथ के उत्तराधिकारी के रूप में ओबीसी के नेता जीतू पटवारी को अध्यक्ष बनाकर सबको चौंका दिया है। इसी तरह विधानसभा में आदिवासी नेता उमंग सिंगार को नित्य प्रत्यक्ष बनाकर संदेश दे दिया कि अध्यक्ष ओबीसी के साथ उप नेता प्रतिपक्ष पंडित हेमंत कटारे को बनाकर की तरह से सबको साधने की कोशिश की है। आने वाले दिनों में वरिष्ठ नेता कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ और दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह को संगठन में स्थान दिया जा सकता है। इसमें कांग्रेस की राजनीति के मुताबिक राजपूत वर्ग के नेताओं की अनदेखी दिखाई पड़ रही है लेकिन जब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन होगा तब संभवत राजपूत नेताओं को भी प्रदेश के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी पदों से नवाजा जा सकता है। एक तरह से मध्य प्रदेश में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस ने अपनी नई टीम को मैदान में उतार दिया है आने वाले दिनों में विधानसभा की कार्रवाई के चलते सदन में विपक्ष की सक्रियता और गर्माहट नजर आ सकती है और सड़क पर कांग्रेस संगठन जनता से जुड़े मुद्दे पर सरकार को घेरने में सक्रिय दिखाई देगी। वैसे भी राजनीति में राष्ट्रीय स्तर पर पीढ़ी परिवर्तन का दौर चल रहा है बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो बहन मायावती ने अपने भतीजे आनंद प्रकाश को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है ऐसे ही पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे को उनके उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश बिहार जैसे राज्यों में मुलायम सिंह यादव के पुत्र अखिलेश यादव और लालू यादव के बेटे पहले से ही राजनीति कमान संभाले हुए हैं।

विदेशों में महंगी भारतीय शादियों का बढ़ता रुझान

-श्रीनाथ श्रीधरन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में विदेशों में संपन्न परिवारों द्वारा शादियों की मेजबानी करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पर जोर देते हुए उन्हें आगामी शादियों के मौसम के दौरान भारत में अपने शादी समारोह आयोजित करने पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने लोगों से इस दौरान भारत में बने सामानों की खरीद को प्राथमिकता देने का भी आग्रह किया। हमें घरेलू आर्थिक कारणों से भारत में उच्च बजट वाली शादियां आयोजित करने की जरूरत है और भारतीय आतिथ्य शृंखलाएं भी दूसरों से कम नहीं हैं। लेकिन भव्य भारतीय शादियों का एक बड़ा हिस्सा हयात और शेरेटन जैसी वैश्विक होटल शृंखलाओं में होता है, क्योंकि उनके पास भारतीय ब्रांडों की तुलना में भारत में शादी की अनुकूल संपत्तियों की अधिक संख्या है। अक्सर, भारत में भव्य शादियों का आयोजन होता है। इसके अलावा विदेश में शादियां होने के बावजूद, अधिकांश कलात्मक वस्तुएं, साजो-सामान की खरीदारी, मेहमानों के लिए उपहार और विरासती आभूषण सभी भारत में ही प्राप्त होते हैं।पारंपरिक पंडितों, मेहंदी कलाकारों और संगीतकारों जैसे समारोह विशेषज्ञों को भी भारत से गंतव्य तक भेजा जाता है। इसलिए विदेश में कुछ आलीशान शादियां वास्तव में घरेलू विवाह उद्योग के मुख्य व्यावसायिक मॉडल को नहीं बदलती हैं।अधिक स्वतंत्रता और व्यक्तित्व की तलाश में, भारतीय युवा आधुनिक अतिथि कार्यक्रमों और पार्टियों के साथ परंपरा का मिश्रण करने की इच्छा रखते हैं। इच्छा उनके विशेष दिन का आनंद लेने की है, चुभती नजरों से दूर अंतरंग और विशिष्ट यादें गढ़ने की है। आज का संपन्न युवा वर्ग शादी जैसे जीवन-मील के पत्थर के लिए शहर में चर्चा का विषय बनने को प्राथमिकता देता है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों में दिखाए गए हरे-भरे घास के मैदान, बर्फ से ढंके पहाड़ और प्राचीन झीलों ने एक स्वप्निल कहानी बुनी है जो दर्शकों को पसंद आती है। बढ़ती संपत्ति के साथ, विदेश में शादियां कोई आश्चर्यजनक आश्चर्य नहीं हैं।

इस संदर्भ में, विदेशी धरती पर भव्य समारोहों के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर परियोजनाओं पर विचार करें। उनकी भव्यता, बॉलीवुड की समृद्धि के साथ, विदेशों में भारत के सांस्कृतिक प्रभाव का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह सलाह दी जाती है कि इस सांस्कृतिक निर्यात को बाधित न किया जाए, क्योंकि विदेशी स्थानों पर होने वाली शादियां भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों की पहुंच को व्यापक दर्शकों तक बढ़ाती हैं। कुछ अन्य आयोजन इन्हें इतने जीवंत और निडरता से प्रदर्शित करते हैं। ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस छवि के बावजूद जी-20 कार्यक्रमों की मेजबानी करने वाले हमारे कुछ शहरों को विदेशी गण्यमान्य व्यक्तियों की नजर से अपने कम-आदर्श नागरिक बुनियादी ढांचे को बचाने के लिए पर्यावरण-अनुकूल माहौल का सहारा लेना पड़ा। हमारे प्रधानमंत्री ने विशेष अवसरों पर फैशनेबल परिधानों को प्रदर्शित करने और आकांक्षी होने के महत्व को बताने में अग्रणी भूमिका निभाकर एक उदाहरण स्थापित किया है। यह अतीत से एक महत्वपूर्ण प्रस्थान है, जब राजनेता गरीबी के बारे में बात करते रहते थे और चुनावी लाभ के लिए इसका फायदा उठाते थे। विदेशों में आयोजित भारतीय शादियां न केवल तेजी से बढ़ती आकांक्षाओं के अनुरूप हैं, बल्कि वे हमारे आर्थिक उद्भव को भी प्रदर्शित करती हैं और भारतीय संस्कृति को विश्व स्तर पर फैलाने का एक साधन प्रदान करती हैं। गंतव्य विवाह व्यय के माध्यम से विश्व स्तर पर रुपए की नरम शक्ति के संभावित प्रभाव पर विचार किया जाना चाहिए। वैश्विक पर्यटन की तरह, जिसने जापानी और चीनी पर्यटक खर्च को अन्य देशों में इतना लोकप्रिय बना दिया है और उन्हें विदेशों में प्रभाव का एक और चैनल दिया है जिसे कूटनीति प्रतिस्थापित नहीं कर सकती है, भारतीय गंतव्य शादियां जटिल तरीकों से हमारे हितों की सेवा कर सकती हैं। वे हमारी आर्थिक कहानी में एक महत्वपूर्ण क्षण में अन्य देशों में भारतीय संस्कृति की समझ (और इसके प्रति दृष्टिकोण) को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। गंतव्य शादियां एक दोहरे उपकरण के रूप में उभर सकती हैं, जो न केवल विदेशों में सांस्कृतिक क्षेत्रों में, बल्कि आर्थिक क्षेत्र में भी प्रभाव डाल सकती हैं।

फल पेड़ से टूटता है तो वह पेड़ के हित में न होकर विश्व हित में होता है

पेड़ से जब कोई फल टूटकर गिरता है, फल या फूल तोड़ा जाता है, तो वे पेड़ के हित में न होकर विश्व के हित में होते हैं। चांद-सितारे तोड़कर किसी की झोली में भर देने की आभासी प्रतीति भी आमतौर पर सुकूनदेह होती है। अब यह अलग बात है कि चांद-सितारे तो कभी तोड़े नहीं जा पाते, मगर उन्हें तोड़ कर लाने का भरोसा कोई करता है और कोई उस भरोसे को अपने लिए मान कर थोड़ी खुशी हासिल कर लेता है। दरअसल, चांद-सितारे में छिपी कल्पनाओं से जो खुशी मिलती है, वह शायद इसलिए प्रिय लगती है कि वह हमसे दूर है। जबकि धरती हमारे पास है, मगर हम उससे मिले सुख से खुशी महसूस नहीं करते। लब्बोलुआब यह कि इंसान की जिंदगी में टूटने और तोड़ने का क्रम ताउम्र चलता ही रहता है, लेकिन जब उसके प्रियजन तोड़ते हैं तो रेशा-रेशा बिखर जाता है। परिवार का मुखिया, जो जिंदगी भर अपने सिद्धांतों पर चला हो, उसने अपने जमीर के आगे किसी की न सुनी। सेवाकाल में ईमानदारी और कर्मठता को तवज्जो देने वाले और काजल की कोठरी में रह कर भी बेदाग सेवानिवृत्त हुए उस बुजुर्ग को उसके बालिग हो चुके बच्चे असंतुष्टि के भाव से उसके जिंदगी भर के सिद्धांतों को पलीता लगाकर उसके व्यक्तित्व को सिरे से खारिज करते हुए उलाहना देते कि आपने जिंदगी भर अपनी नैतिकता का ढोल पीटने के सिवा हमारे लिए क्या किया?

प्रभाशंकर उपाध्याय

आपदा से टूटना, आम आदमी के लिए त्रासदी है, तो सियासी शख्स के लिए सुनहरा अवसर। सामान्य जन विपदाओं, विश्वासघातों और वादा खिलाफियों से टूटता है, जबकि सियासत का व्यक्ति इन्हीं मौकों को भुनाकर अपनी पांचों अंगुलियां घी में सराबोर कर लेता है। उसे चाहे भितरघात, बगावत या फिर अपने जमीर को गहरे तक दफ्न करना पड़े, वह करता है। साधारण आदमी जब टूटता है तो उसकी किरचें इस कदर बिखर जाती हैं कि उन्हें सहेज कर उसका फिर से सृजन कर पाना बेहद कठिन हो जाता है, जबकि राजनीतिक हस्ती तो टूटकर और निखरती है। टूटना और तोड़ना मानवेतर जंतुओं में नहीं पाई जाती। वे ऐसे सुख या दुख से सर्वथा अपरिचित होते हैं।

बहरहाल, पेड़ से जब कोई फल टूटकर गिरता है, फल या फूल तोड़ा जाता है, तो वे पेड़ के हित में न होकर विश्व के हित में होते हैं। चांद-सितारे तोड़कर किसी की झोली में भर देने की आभासी प्रतीति भी आमतौर पर सुकूनदेह होती है। अब यह अलग बात है कि चांद-सितारे तो कभी तोड़े नहीं जा पाते, मगर उन्हें तोड़ कर लाने का भरोसा कोई करता है और कोई उस भरोसे को अपने लिए मान कर थोड़ी खुशी हासिल कर लेता है। दरअसल, चांद-सितारे में

छिपी कल्पनाओं से जो खुशी मिलती है, वह शायद इसलिए प्रिय लगती है कि वह हमसे दूर है। जबकि धरती हमारे पास है, मगर हम उससे मिले सुख से खुशी महसूस नहीं करते।

बहरहाल, तोड़ने की क्रिया को युक्तियुक्त बनाना एक कला है। राजनीति के चतुर सुजान इसमें निष्णात होते हैं। कुशल 'तोड़क' वह होता है, जो दूसरे के पेड़ पर पके पपीते की तरह आदमी को तोड़ ले और उसका पोषक या रक्षक सिर धुनता रह जाए। तोड़ना चने की झाड़ की भांति भी हो सकता है, लेकिन उसमें कच्चे-पके, छोटे-बड़े सभी किस्म के बूटे आ जाते हैं। पता नहीं कि उनमें से कौन-सा नुगरा निकल आए? चने की झाड़ तोड़ने वाला लाख मगन होकर गाए कि 'मेरे चने की आंख गुलाबीज' मगर उस चने की आंखों में जब लाली उतर जाए तो वह चना बिना गुरेज चना जोर गरम भी हो जाता है। पकने के बाद टूटे पपीते का उपयोग तुरंत किया जाना जरूरी है, अन्यथा वह किसी काम का नहीं रहता। मगर पके चने के साथ एक बड़ा जोखिम भी है कि वह तोड़ने वाले की नाक में घुसकर नाकों चने चबवा सकता है और छींक के साथ बाहर आकर, उछलता-कूदता अपनी ढेरी को छोड़कर दूसरे की ढेरी में भी जा सकता है। पुलिस अलग प्रकार से तोड़ती है। इस मामले में उसकी दोतरफा भूमिका होती है। कभी वह बाघ तो कभी बकरी बन जाती है। आम आदमी के सामने बब्बर शेर बनकर उससे वह जुर्म भी कबूल करवा लेती है, जिसे करने का वह स्वप्न में भी सोच नहीं सकता। आमजन के लिए बाघ बहादुर बनी पुलिस बाहुबलियों के सम्मुख बकरी की भांति मिमियाने लगती है!

नीति कहती है कि युद्ध और प्यार में जोड़ना-तोड़ना सब जायज है, लेकिन इसमें राजनीति भी जोड़ी जा सकती है, क्योंकि वह सिर्फ नीति के आधार पर नहीं चलती। उसमें राज भी छिपा हुआ है। राज जानने के लिए किसी को भरोसे में लेना होता है। भगवान राम ने भी विभीषण को भरोसे में लिया था। अनेक हमलावर राजाओं और नवाबों ने बैरियों के राजदारों को तोड़ा और निर्द्वंद्व हो दुर्भेद्य दुर्गों पर अख्तियार किया। अलाउद्दीन खिलजी ने रणथंभौर के खाद्य भंडार के प्रहरी को तोड़ा और अन्न तथा जल को जहरीला बनाकर अभेद्य किला जीत लिया। टीपू सुल्तान के खौफ से दक्षिण से भागे ब्रितानियों ने टीपू के अंगरक्षक को तोड़ कर उसकी पीठ पर वार करवा कर, दक्षिण में वापसी की।

आईएमएफ ने आर्थिक मोर्चे पर भारत को स्टार परफॉर्मर बताया, कहा- वैश्विक विकास में भारत का योगदान 16 प्रतिशत रहेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आर्थिक मोर्चे पर भारत को स्टार परफॉर्मर बताया है। आईएमएफ ने सोमवार को कहा कि डिजिटलीकरण और बुनियादी ढांचा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक सुधारों के कारण मजबूत दर से वृद्धि करते हुए भारत एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरा है। आईएमएफ के अनुसार वैश्विक वृद्धि में भारत का योगदान 16 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान है।

आईएमएफ में भारत के मिशन नाडा चौइरी ने एक साक्षात्कार में कहा, हम पिछले कुछ समय से देख रहे हैं कि भारत बहुत मजबूत दर से वृद्धि कर रहा है। जब आप दूसरे देशों से वास्तविक विकास के मोर्चे पर तुलना करें तो भारत एक स्टार परफॉर्मर रहा है। यह सबसे तेजी से बढ़ते बड़े उभरते बाजारों में से एक है और यह हमारे मौजूदा अनुमानों में इस साल वैश्विक वृद्धि में 16 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारत पर वार्षिक आर्टिकल ढ्ढङ्क परामर्श जारी किया। इसके अनुसार विवेकपूर्ण वृहद आर्थिक नीतियों कारण इस साल भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर है। चौइरी ने कहा कि फिर भी, अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रही है, इसका कारण पूरी दुनिया में अलग-अलग क्षेत्रों में तनाव के कारण बढ़ रही मंदी है। चौइरी के अनुसार सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश करने और विकास के लिए ठोस आधार के लिए आवश्यक रसद विकसित करने पर जोर दे रही है।

उन्होंने कहा कि भारत में एक बहुत बड़ी और युवा आबादी है और इसलिए यदि संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से इस क्षमता का उपयोग किया जाता है तो इसमें मजबूत दर से बढ़ने की क्षमता है।सरकार ने कई संरचनात्मक सुधार किए हैं, जिनमें से प्रमुख डिजिटलीकरण है। बीते वर्षों में इस पर काफी काम हुआ है और भविष्य में उत्पादकता व विकास में वृद्धि के लिहाज से यह देश को एक मजबूत मंच प्रदान करता है।

आईएमएफ ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सिफारिश की है कि नीतिगत प्राथमिकताओं को राजकोषीय बफर को फिर से भरने, मूल्य स्थिरता हासिल करने, वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और ऋण स्थिरता को संरक्षित करते पर केंद्रित किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण चालक बनने के लिए महामारी से मजबूती से उबरी है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान वृद्धि के बाद, हेडलाइन मुद्रास्फीति में औसत रूप से कमी आई है। हालांकि यह अस्थिर बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि रोजगार महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है और अनौपचारिक क्षेत्र का दबदबा बना हुआ है जबकि औपचारिकरण में प्रगति हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, वित्तीय क्षेत्र लचीला रहा है, जो 2023 की शुरुआत में वैश्विक वित्तीय तनाव से काफी हद तक अप्रभावित रहा है। जबकि बजट घाटा कम हो गया है, सार्वजनिक ऋण ऊंचा बना हुआ है, और राजकोषीय बफर को फिर से बनाने की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर, भारत की 2023 की जी-20 अध्यक्षता ने बहुपक्षीय नीति प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में देश की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया है।

रिपोर्ट के अनुसार राजनीतिक मोर्चे पर आम चुनाव अप्रैल 2024 में होने की उम्मीद है। वृहद आर्थिक नीतियां आंशिक रूप से आईएमएफ के पूर्व कर्मचारियों की सलाह के अनुरूप रही हैं। यदि व्यापक सुधारों को लागू किया जाता है तो भारत में अतिरिक्त श्रम और मानव पूंजी की मदद से उच्च विकास का स्तर हासिल करने की क्षमता है।

आईएमएफ ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 9.1 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के कारण आउटसोर्सिंग की मजबूत वैश्विक मांग ने वित्त वर्ष 2022-23 में सेवा निर्यात वृद्धि को एक दशक के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया, जिससे शुद्ध निर्यात में इजाफा हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 की शुरुआत में सेवा निर्यात में कुछ गति आई, जो मुख्य रूप से भागीदार देशों में मांग में मंदी को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत पर मजबूत बनी रही, जिसे मजबूत घरेलू मांग का समर्थन मिला। एक सवाल के जवाब में चौइरी ने कहा कि निवेश और वृद्धि के लिए राजनीतिक स्थिरता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमने कोई आंकड़ा बताने के लिए कोई मात्रात्मक विश्लेषण नहीं किया है, लेकिन बहुत सारे शोध हैं जो राजनीतिक स्थिरता और एक स्पष्ट नीतिगत माहौल के महत्व की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने कहा कि आईएमएफ का मानना है कि श्रम सुधार की जरूरत है। इसलिए, हमारे विचार में, यह सुनिश्चित करने के लिए एक बहुत ही ठोस प्रयास होना चाहिए। इसका मतलब शिक्षा, कौशल और महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ाना है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

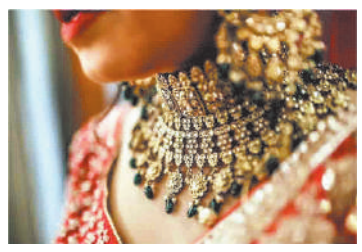

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने के वायदा भाव आज गिरावट के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई लेकिन बाद में इसकी कीमतों में सुस्ती देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव 62 हजार और चांदी के वायदा भाव 74,300 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही, जबकि चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की आज शुरुआत आज सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्टङ्ग) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 191 रुपए की गिरावट के साथ 62,100 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 214 रुपए की गिरावट के साथ 62,077 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 62,125 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 62,069 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस महीने सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेजी के साथ हुई लेकिन यह तेजी बरकरार नहीं रह सकी। स्ष्टङ्ग पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट आज 55 रुपए की तेजी के साथ 74,465 रुपए के भाव पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 130 रुपए की गिरावट के साथ 74,280 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 74,500 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 74,253 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस महीने चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपए किलो के भाव पर पहुंच गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज और चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। ष्टश्वद्गङ्ग× पर सोना 20,41.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,040.50 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 4.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,035.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश में चीनी उत्पादन 11 प्रतिशत घटा, यूपी में बढ़ा, इस्मा ने कहा- देर से काम शुरू होने से कम हुआ उत्पादन

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में चीनी उत्पादन चालू विपणन वर्ष की एक अक्तूबर से 15 दिसंबर की अवधि में सालाना आधार पर 11 फीसदी घटकर 74.05 लाख टन रह गया। इसका मुख्य कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी का कम उत्पादन है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में उत्पादन में तेजी दर्ज की गई?है।?

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के बयान के मुताबिक, चालू विपणन वर्ष 2023-24 में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन 74.05 लाख टन तक रहा। एक साल पहले की समान अवधि में यह 82.95 लाख टन था। इस अवधि में चालू कारखानों की संख्या पिछले साल की तरह 497 ही है। इस्मा के अनुसार, उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन 15 दिसंबर तक बढ़कर 22.11 लाख टन हो गया।?एक साल पहले की समान अवधि में यह 20.26 लाख टन था। वहीं, इस वर्ष महाराष्ट्र और कर्नाटक की चीनी मिल में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10-15 दिन बाद काम शुरू हुआ। इससे महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 33.02 लाख टन से घटकर 24.45 लाख टन रहा। कर्नाटक में उत्पादन 19.20 लाख टन से घटकर 16.95 लाख टन रह गया। चालू विपणन वर्ष में कुल चीनी उत्पादन 325 लाख टन रहने की उम्मीद है।

डीयू की डिग्री में इंडियन करेंसी जैसे होंगे सेफ्टी फीचर

दिल्ली यूनिवर्सिटी अगले साल 24 फरवरी को 100वां दीक्षांत समारोह मनाने जा रहा है इस समारोह में दी जाने वाली डिग्री पर करीब डेढ़ दर्जन सिक्योरिटी फीचर होंगे ये फीचर्स डिग्री को भारतीय करेंसी जितना सुरक्षित बनाते हैं. इसकी डुप्लीकेसी कर पाना मुश्कि?ल ही नहीं नामुमकिन होगा यही नहीं, इस बार जो डिग्रियां बनी हैं, उनमें भीषण गर्मी या बारिश का असर भी नहीं होगा. ये डिग्री न ज्यादा तापमान में खराब होंगी और न ही इन पर पानी का असर होगा. डीयू में परीक्षा विभाग के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अजय अरोड़ा ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि इस बार डिग्री की छपाई के दौरान पेपर आदि का विशेष ध्यान रखा जा रहा है. पहले इसमें 7 या 8 सुरक्षा फीचर्स होते थे, लेकिन अब इसकी संख्या बढ़ाई गई है।

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिये अनुगूंज कार्यक्रम आज

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्ह्लद्गड्डद्व शिक्षा नीति और शिक्षा पद्धति की अवधारणा के अनुसार कलाओं से शिक्षा को समृद्ध करने, कल्चर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के उद्देश्य से शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुगूंज-2023 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बुधवार, 20 दिसम्बर 2023 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम, खण्डवा रोड परिसर इंदौर में शाम 5 बजे से आयोजित किया गया है।

India's direct tax collection rises 21% YOY

Net direct tax collections grew by 20.66 per cent to over Rs 13.70 lakh crore in the current fiscal so far, the income tax department said on Monday. The net direct tax collection of Rs 13,70,388 crore (as of December 17, 2023) includes Corporation Tax (CIT) at Rs 6.95 lakh crore and Personal Income Tax (PIT), including Securities Transaction Tax at Rs 6.73 lakh crore.

The net direct tax collections have touched 75 per cent of budget estimates of direct tax mop-up in the current fiscal. In the current fiscal, Rs 18.23 lakh crore is expected to be collected in direct taxes which includes personal income tax and corporate tax. Refunds of over Rs 2.25 lakh crore have also been issued in the FY 2023-24 till December 17, 2023.

"The provisional figures of Direct Tax collections for the Financial Year 2023-24 (as of 17.12.2023) show that Net collections are at Rs 13,70,388 crore, compared to Rs. 11,35,754 crore in the corresponding period of the preceding Financial Year (i.e. FY 2022-23), representing an increase of 20.66 per cent," the Central Board of Direct Taxes (CBdT) said in a statement.

The gross collection of over Rs 15.95 lakh crore includes CIT at Rs 7.90 lakh crore and PIT at about Rs 8.03 lakh crore. Minor head-wise collection comprises advance tax of Rs 6.25 lakh crore; tax deducted at source of Rs 7.71 lakh crore; self-assessment tax of Rs 1.49 lakh crore; regular assessment tax of Rs 36,651 crore; and tax under other heads of Rs 14,455 crore.

रंग-रूप में बदलाव के साथ एयर इंडिया की नई शुरुआत, सोशल मीडिया पर नए लोगो का इस्तेमाल शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने मंगलवार को अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइट पर अपने नए ब्रांड लोगो का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इसके साथ ही विमानन कंपनी ने पुरानी एयर इंडिया से नई एयर इंडिया में इसके पूर्ण परिवर्तन की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर एयर इंडिया अब नए लुक में दिख रहा है। सोशल और वेबसाइट पर नए लोगों को लाइव किए जाने से एक दिन पहले देश भर के हवाई अड्डों पर यात्रियों ने भी एयर इंडिया के काउंटरों पर बदलाव का अनुभव किया। जहां उन्हें अलग-अलग जगहों पर विमानन कंपनी का नया लोगों देखने को मिला।

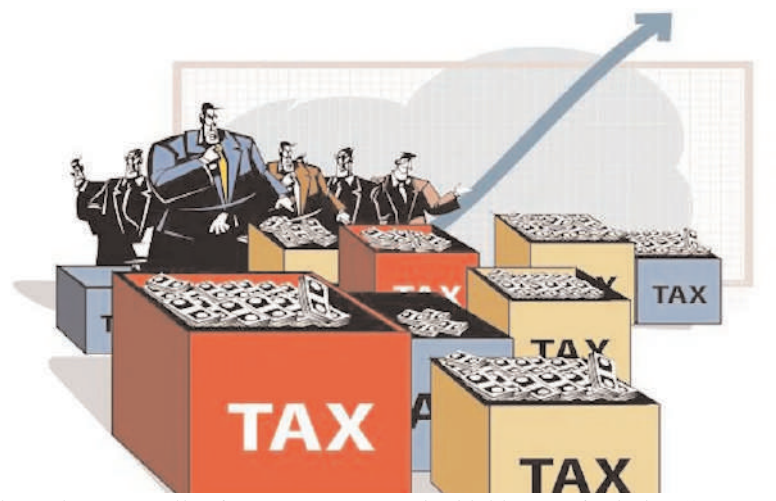

एयर इंडिया का वेबसाइट नए लोगो के साथ कुछ ऐसा दिखा

नए लोगों को अपनाने के साथ एयर इंडिया ने एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, एयर इंडिया के एक साहसिक, गर्म और जीवंत अध्याय में आपका स्वागत है। संभावनाओं की खिड़कियों के माध्यम से, हम भारतीय विमानन के एक नए युग में प्रवेश का स्वागत करते हैं। वीडियो कई प्रकार की खिड़कियों को दिखाता है जो संभावनाओं की खिड़की के रूप में उनके ब्रांड की सोच को दर्शाता है। बता दें कि अगस्त 2023 में, एयर इंडिया ने एक नई ब्रांड आईडेंटिटी और एयरक्राफ्ट लाइवरी (विमानों पर चिपकाने वाला स्टिकर) का अनावरण किया था। एयरलाइन ने कहा था कि नई एयरक्राफ्ट लाइवरी और डिजाइन में गहरे लाल, ऑबरगिन और गोल्डन हाइलाइट्स के साथ-साथ चक्र से प्रेरित पैटर्न है।

गौतम अडानी का बड़ा प्लान... एक साथ बना दीं चार नई कंपनियां, मचाएंगे धमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय अरबपति गौतम अडानी लगातार अपने कारोबार का विस्तार कर रहे हैं. साल की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग का प्रकोप भी लगभग खत्म हो चुका है और अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में उछाल के साथ बढ़ता ग्रुप मार्केट कैप इसका उदाहरण हैं. अब गौतम अडानी ने एक और बड़ा कदम उठाया है और एक झटके में 4 नई कंपनियां खड़ी कर दी हैं.

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी ने चार स्टेप डाउन सहायक कंपनियां बनाई हैं. इनमें अदानी रिन्यूएबल एनर्जी सिक्सटी

अडानी रिन्यूएबल एनर्जी सिक्सटी टू अडानी रिन्यूएबल एनर्जी सिक्सटी थ्री और अडानी रिन्यूएबल एनर्जी सिक्सटी फोर शामिल हैं.

अडानी ग्रुप की इन सभी चार इकाइयों की अधिकृत और चुकता शेयर पूंजी एक-एक लाख रुपये है. अडानी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को शेयर बाजार को भेजी गई सूचना में इन नई कंपनियों के बारे में जानकारी शेयर की है. फाइलिंग में कहा गया है कि उसकी पूर्ण-स्वामित्व वाली सब्सिडयरी कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग नाइन ने 18 दिसंबर को चार पूर्ण-स्वामित्व वाली सब्सिडियरी का गठन किया है. इनका रजिस्ट्रेशन गुजरात के अहमदाबाद में किया गया है.

मर्जर का ऐलान और नई कंपनियों का गठन

गौरतलब है कि अडानी ग्रीन एनर्जी ने ये बड़ा कदम उठाने से पहले 2 सब्सिडियरी कंपनियों अडानी रिन्यूएबल एनर्जी 51 लिमिटेड और अडानी रिन्यूएबल एनर्जी 55 लिमिटेड के विलय की घोषणा की थी. इस बीच कंपनी ने नई कंपनियों का गठन कर दिया है. अडानी ग्रीन के मुताबिक नई इकाइयां बनाने का उद्देश्य विंड, सोलर या एनर्जी के अन्य रिन्यूएबल सोर्सेज से किसी भी प्रकार की पावर का उत्पादन, विकास, परिवर्तन, वितरण, संचारण, बिक्री और आपूर्ति करना है.

नई कंपनियों के ऐलान का असर अडानी ग्रीन के शेयरों पर भी दिखाई दिया है. बीते कारोबारी दिन सोमवार को अडानी ग्रीन एनर्जी स्टॉक हरे रंग पर कारोबार करते हुए नजर आए और कारोबार के अंत में बढ़कर 1529 रुपये के स्तर पर क्लोज हुआ था. कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 2.42 लाख करोड़ रुपये है. हालांकि, इस तेजी के साथ ही कंपनी के शेयर अभी भी अपने ऑल टाइम हाई लेवल से काफी कम है. अडानी ग्रीन के शेयर का 52 वीक का हाई लेवल 2185 रुपये है.

टीएमटी सरिया की मांग अगले तीन से चार महीनों में बढ़ेगी: टाटा स्टील उपाध्यक्ष

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में टीएमटी सरिया की मांग अगले तीन से चार महीनों में बढ़ती रहेगी। उद्योग जगत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। टाटा स्टील लिमिटेड के उपाध्यक्ष (लॉन्ग प्रोडक्ट्स) आशीष अनुपम ने कहा कि निर्माण, आवास और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से अच्छी मांग देखी जा रही है। इन क्षेत्रों में पूरे देश में नई परियोजनाएं लाई जा रही हैं। साथ ही सरकारी नीतियों में भी एकरूपता है। इसलिए निवेशकों की भावनाओं को बल मिला है। अनुपम ने कहा, ''मैं तीन कारणों से बहुत आशावान हूं। सबसे पहले त्योहार खत्म हो गए हैं, कर्मचारी काम पर वापस आ गए हैं। मानसून भी खत्म हो चुका है। यह निर्माण के लिए सबसे अच्छा समय है क्योंकि इस वक्त गर्मी भी नहीं होती है। मैं अगले तीन से चार महीनों में मांग की दृष्टि से अधिक उत्साहित हूं। मैं कीमतों पर कुछ नहीं कह सकता क्योंकि यह कच्चे माल पर निर्भर करता है। बाजार अनुसंधान कंपनी बिगमिंट (पुराना नाम स्टीलमिंट) के अनुसार, ब्लास्ट फर्नेस के जरिए उत्पादित टीएमटी की कीमतें सितंबर में 56,700 रुपए प्रति टन से गिरकर नवंबर में 55,900 रुपए प्रति टन हो गई। फरवरी में टीएमटी सरिया की कीमतें 63,000 रुपए प्रति टन थीं। इंडक्शन फर्नेस (आईएफ) के जरिए उत्पादित टीएमटी सरिया की कीमतें सितंबर में 52,000 रुपए प्रति टन से गिरकर नवंबर में 49,000 रुपए प्रति टन हो गई। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का कुल इस्पात उत्पादन 12.3 करोड़ टन (एमटी) था, जिसमें से 5.2 करोड़ टन टीएमटी बार और छड़ें थीं।

चावल होगा सस्ता... मोदी सरकार ने दिया कंपनियों को दाम घटाने का आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार ने घरेलू बाजार में चावल की कीमतों को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है, जिससे मार्केट में चावल के दाम घटेंगे और ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी. केंद्र सरकार ने राइस इंडस्ट्री एसोसिएशन को तत्काल प्रभाव से चावल की खुदरा कीमत में कमी लाने के के लिए निर्देशित किया है. इस संबंध में खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा ने गैर-बासमती चावल के घरेलू मूल्य परिदृश्य की समीक्षा करने के लिए एक बैठक बुलाई थी. इसमें ये निर्देश जारी किए गए हैं.

चावल की कीमतें बढ़ने पर हुई चर्चा

बैठक में चोपड़ा ने उद्योग को घरेलू बाजार में कीमतों को उचित स्तर पर लाने के उपाय करने को कहा. पीआईबी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि उद्योग संघों को परामर्श दिया गया कि वे अपने संघ के सदस्यों के साथ इस मुद्दे को उठाएं और सुनिश्चित करें कि चावल की खुदरा कीमत तत्काल प्रभाव से कम हो. इस दौरान खरीफ की अच्छी फसल, भारतीय खाद्य निगम के पास पर्याप्त भंडार होने और चावल के निर्यात पर बैन के बावजूद घरेलू बाजार में गैर-बासमती चावल के दाम क?यों बढ़ रहे हैं.

हमारे पास अच्छी क्वालिटी का स्टॉक मौजूद

सरकार द्वारा गैर-बासमती चालव के निर्यात पर बैन लगाए जाने के बावजूद कीमतों में इजाफा चिंता का विषय है. चावल की वार्षिक महंगाई दर पिछले दो वर्षों से 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है. चावल की कीमतों में जारी बढ़ोतरी को लेकर सरकार अब सख्त हो गई है और इस पर लगाम लगाने के लिए कमर कस ली है.

सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि हमारे पास अच्छी क्वालिटी के चावलों का स्टॉक है. इसे ओपन मार्केट सेल्स स्कीम के तहत ट्रेडर्स और प्रोसेसर्स को 29 रुपये किलो में बेचा भी जा रहा है, इसके बावजूद रिटेल मार्केट में ये 43 से 50 रुपये प्रति किलो के रेट से बिक रहा है.

घरेलू मार्केट में चालव की आपूर्ति बनाए रखने और कीमतों में कमी लाने के मद्देनजर मोदी ने जुलाई 2023 में ही गैर-बासमती चावल के निर्यात पर बैन लगा दिया था. इसके साथ ही एक्सपोर्ट ड्यूटी में भी इजाफा किया था. यही नहीं अक्टूबर महीने में एक और बड़ा फैसला लेते हुए सरकार ने चावल का मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस 950 डॉलर प्रति टन कर दिया गया था.

नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट ने गो फर्स्ट के अधिग्रहण की इच्छा जताई

नईदिल्ली, एजेंसी। नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर (आरपी) के समक्ष अधिग्रहण की रुचि दिखाई है। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि वह जांच-पड़ताल के बाद अधिग्रहण का पेशकश करना चाहती है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एयरलाइन ने कहा कि अधिग्रहण प्रस्ताव का मकसद गो फर्स्ट को स्पाइसजेट के साथ संभावित गठजोड़ में एक मजबूत और व्यावहारिक एयरलाइन बनाना है।

इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि स्पाइसजेट ने दो अन्य कंपनियों शारजाह स्थित एविएशन कंपनी स्काई वन व अफ्रीका केंद्रित सफ्रिक इन्वेस्टमेंट्स के साथ दिवालिया हो चुकी विमानन कंपनी गो फर्स्ट के अधिग्रहण में दिलचस्पी दिखाई है।

स्पाइसजेट ने कहा है, कंपनी के बोर्ड ने हाल ही में अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और विकास योजनाओं में निवेश करने करने व संसाधन प्रदान करने के लिए लगभग 270 मिलियन अमेरिकी डॉलर की नई पूंजी जुटाने की प्रक्रिया को मंजूरी दी है।

कंपनी ने सितंबर तिमाही के नतीजों में उसे 428 करोड़ रुपए के शुद्ध घाटे का एलान किया था जो एक साल पहले के 835 करोड़ रुपये के घाटे का आधा है। भारतीय एयरलाइन को पूर्व प्रमोटर कलानिधि मारन को मध्यस्थता फैसले के बाद बकाया राशि का भुगतान भी करना है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने मीडिया को बताया कि गो फर्स्ट की कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस (सीआईआरपी) को मैनेज करने वाले रिजॉल्यूशन प्रफेशनल (आरपी) शैलेंद्र अजमेरा को इन एंटिटीज से पिछले 10 दिनों के दौरान एयरलाइन्स की जांच पड़ताल करने के लिए रिक्वेस्ट मिली थी। गो फर्स्ट पर लेनदारों का 6,200 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा एयरलाइन क्रमशः 1,934 करोड़ रुपये और 1,744 करोड़ रुपये के बकाया के साथ शीर्ष दो लेनदार हैं।

दुनिया के कुछ अजीब गांव

कहीं तीन महीने नहीं पहुंचती सूरज की रोशनी तो कहीं पूरे गांव के लोगों ने बेच दी एक-एक किडनी...

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें ऐसे हैं, जो किसी खास वजहों से काफी मशहूर होती हैं. आज हम आपको कुछ ऐसे गांवों के बारे में बताएंगे, जो खूबसूरती के अलावा अजीबोगरीब वजहों से भी दुनियाभर में मशहूर हैं.

नीला गांव

स्पेन में एक गांव है जिसका नाम जुजकार है. इस गांव के बारे में दिलचस्प बात यह है कि ये पूरा का पूरा गांव नीला है. जी हां, यहां प्रत्येक घर नीले रंग का है. कहते हैं कि साल 2011 में एक 3ष्ठ फिल्म के लिए कुछ लोगों ने अपने घरों को नीले रंग से रंगवाया था, जिसके बाद धीरे-धीरे गांव के बाकी लोगों ने भी अपने घरों को नीला बना दिया.

विगानेला

अपनी खूबसूरती के लिए इटली दुनियाभर में मशहूर है. विगानेला यहां का एक गांव है, जो मिलान शहर की एक गहरी घाटी के नीचे बसा हुआ है. यह गांव चारों तरफ से घाटियों से इस प्रकार घिरा हुआ है कि यहां सर्दियों में लगभग तीन महीने तक सूरज की रोशनी बिल्कुल भी नहीं पहुंच पाती है. इसलिए गांव के ही कुछ इंजीनियरों और वास्तुकारों ने मिलकर एक बड़ा सा आईना बनाया और उसे ऐसी जगह लगाया, जिससे रिफ्लेक्ट होकर धूप की किरणें गांव में पहुंच सकें. अब पूरे गांव को सूरज की रोशनी मिल जाती है. इस अनोखी तरकीब की वजह से लोग कहते हैं कि इस गांव का अपना अलग ही सूरज है.

एक किडनी वाला गांव

नेपाल में एक गांव है होकसे. यह गांव एक किडनी वाले गांव के नाम से मशहूर है. इस गांव में लगभग हर व्यक्ति एक किडनी के सहारे ही जिंदा है. इन लोगों ने अपनी एक किडनी निकलवा कर बेच दी है. कहते हैं कि मानव अंगों की तस्करी करने वालों ने गांव के लोगों को पैसों का लालच दिया था और कहा था कि किडनी फिर से उग आएगी. इस वजह से इस गांव का नाम ही किडनी वैली पड़ गया है.

कुंग-फू विलेज

चीन के तिआंझु में एक गांव को कुंग-फू विलेज के नाम से जाना जाता है. इस गांव में शायद ही कोई ऐसा हो जिसे कुंग-फू न आता हो. अपने इस अनोखे हुनर की वजह से दुनियाभर में मशहूर हैं. दुनियाभर से लोग यहां आते हैं और गांव के लोगों से मिलते हैं. बहुत से लोग, जो कुंग-फू सीखना चाहते हैं, वो इसे सीखते भी हैं.

ऐसे मुस्कुराते हुए फूल कहीं देखे हैं आपने? मधुमक्खी जैसा है आकार

लाफिंग बम्बलबीज़ ऑर्किड को देखकर आपके चेहरे पर भी मुस्कुराहट आ जाएगी क्योंकि यह फूल खुद 'मुस्कुराता' है। वास्तव में इस फूल का आकार ही ऐसा है, जिससे लगता है कि फूल मुस्कुरा रहा है। इस फूल को ओफिस बॉम्बिलिफ़्लोरा कहते हैं। इस फूल के पौधे यूरोप और अफ्रीका में पाई जाते हैं। इसे आमतौर पर 'मधुमक्खी ऑर्किड' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि यह फूल मधुमक्खी के आकार का लगता है। अपने इस अनोखे रूप के साथ यह फूल सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है।

समुद्री दुनिया के बेहद दुर्लभ जीव जिनमें से कोई उड़ता है हवा में तो किसी का नहीं है लीवर

समुद्री दुनिया जितनी अद्भुत है उतनी ही विचित्र भी है. इसके अंदर कुछ ऐसे जीव होते हैं जो देखने में बहुत ही अजीबोग़रीब होते हैं तो कुछ बहुत ही अच्छे. अभी तक आपने सुना होगा समुद्र में मछलियां, ऑक्टोपस और भी इसके अलावा कई जीव हैं, जिन्हें देखना आसाना है, लेकिन समुद्र में कुछ जीव ऐसे भी हैं, जिन्हें देखना इंसानों के लिए दुर्लभ होता है. इन जीव को देखकर ऐसा लगेगा कि क्या वाकई ऐसे जीव हो सकते हैं? क्योंकि इनके होने पर यक़ीन करना मुश्किल है.

रहस्यमयी सड़ता हुआ जीव

जर्मनी के कस्बे मायेन में जुलाई 2018 को एक रहस्यमयी जीव समुद्र के किनारे बहकर आया, जो पूरी तरह से सड़ चुका था और उसे पहचानना मुश्किल था. इसकी लम्बाई क़रीब 15 फ़ीट थी. कुछ लोगों ने इसकी आकृति से अंदाज़ा लगाया कि, शायद व्हेल का शव हो सकता है. इसके बाद एक जांच के दौरान पता चला कि, ये एक बास्किंग शार्क का शव है.

फ़ैंग्ड कैनिबल लैंसेटफ़िश

नॉर्थ कैरोलिना के जेनेट्स पायर तट के पास मई 2014 में फ़ैंग्ड कैनिबल लैंसेटफ़िश दिखाई दी, जो काफ़ी बीमार थी. लोगों ने देखा तो ये ज़ोर से उछली इसके बाद इसे समुद्र में छोड़ दिया गया, लेकिन बीमार होने के चलते ये किनारे पर आकर मर गई. आपको बता दें, ये एक रात्रिचर मछली है, जो रात में अपना शिकार करती है और स्क्विड, क्रस्टेशियन और अन्य लैंसेंटफ़िश को खाती है.

जायंट स्क्विड

जानवरों की दुनिया में जायंट स्क्विड जीव बहुत बड़ी आंखों वाला होता है और समुद्र में बहुत गहराई में रहता है. अक्टूबर 2013 में एक बहुत ही भयानक दृश्य देख ने को मिला जब 13 फ़ीट लंबा और 330 किलोग्राम का बड़ा जायंट स्क्विड समुद्र से बाहर किनारे पर दिखा, जो बहुत ही कम सुमद्र के किनारे पर दिखता है.

बिना लीवर की शार्क मछली

दक्षिण अफ़्रीका के तट पर मई 2017 में तीन ग्रेट वाइट शार्क देखने को मिली, जिनके शरीर में लीवर नहीं था और एक के शरीर में दिल भी नहीं था. वैज्ञानिकों ने इनके शरीर का पोस्टमॉर्टम किया, जिसे समुद्री विज्ञान की भाषा में नेक्रोपसिस कहते हैं. इनकी जांच में पता चला कि इन शार्क के अंगों को ओर्का यानी किलर व्हेल शार्क या उनकी प्रजातियों की अन्य मछलियां खा जाती हैं. और उन्हें लीवर ज्यादा पसंद होता है क्योंकि उसमें फ़ैट और पोषक तत्व होते है.

बालों वाला समुद्री शैतान

फ़िलिपींस के ओरिएंटल मिंडोरो प्रांत में मई 2018 को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसे देखकर सब हैरान रह गए. ये समुद्र के किनारे पर निकला एक बालों वाला विशाल जीव था, जो क़रीब 20 फ़ीट लंबा था. वैज्ञानिकों ने जांच के दौरान बताया, ये एक व्हेल का सड़ता हुआ शरीर है और जो बाल दिख रहे हैं वो उसकी मांसपेशियों के सड़ते हुए फ़ाइबर्स थे.

सिर पर लाइटबल्ब वाली एंगलर फिश

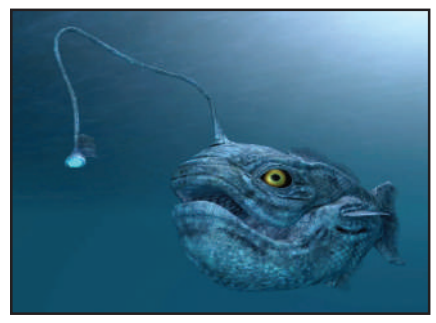

कैलिफ़ोर्निया के क्रिस्टल कोव स्टेट पार्क तट पर मई 2021 को मछुआरे को समुद्र की गहराई में एक एंगलरफ़िश का शव मिला, जो आमतौर पर 3000 फ़ीट की गहराई या उससे नीचे तैरती है. इस मछली के सिर पर एक बायोल्यूमिनिसेंट बल्ब होता है, जिसे वो अपने शिकार को पकड़ने के लिए जलाती-बुझाती है और शिकार पास आते ही उसे दबोच लेती है.

हवा में तैरने वाले समुद्री जीव

अमेरिका के पश्चिमी तट पर 2014 में आए एक भीषण तूफ़ान के चलते हज़ारों की संख्या में कांच जैसे समुद्री जीव देखने को मिले, जिन्हें हाइड्रोज़ोन्स कहते हैं. ये लहरों के ऊपर हवा की गति के सहारे तैरते हैं और खुले समुद्र में आते ही हवा के सहारे सैकड़ों किलोमीटर तक तैरते हुए चले जाते हैं.

समुद्री आलू

इंग्लैंड के कॉर्नवेल के पेनज़ेंस समुद्री तट पर अगस्त 2018 को अजीबो-ग़रीब जीव समुद्री आलू देखने को मिले. इन्हें समुद्री अर्चिन्स भी कहा जाता है. इनका आकारा टेनिस बॉल जैसे होता है, जो खुद को पीले-भूरे कवर के अंदर बंद रखते हैं. ये ज़्यादातर इंग्लैंड, आयरलैंड और जापान के आसपास दिखाई देते हैं.

बहुत बड़े अंडाशय वाली ओरफ़िश

कैलिफ़ोर्निया के कैटालिना आईलैंड पर जून 2015 को समुद्र की गहराई में रहने वाली दुर्लभ ओरफ़िश देखी गई. इसकी लंबाई 13.5 फ़ीट होती है. वैज्ञानिकों ने जब इसके शरीर की जांच की तो, उन्हें इसके शरीर से एक जोड़ा ओवरी यानी अंडाशय मिला, जो 7 फ़ीट लंबा था और इसका वज़न 11 किलोग्राम था.

सड़े-गले समुद्री शेर

समुद्री शेर के शव ज़्यादातर समुद्र के तट पर देखने को मिलते हैं. पिछले साल अप्रैल से जुलाई तक कनाडा के वैंकूवर आईलैंड पर पांच बार ऐसे सी-लॉयंस के शव देखने को मिले, जिनके सिर नहीं थे. वैज्ञानिकों का मानना है कि, मरे हुए सी-लॉयन्स के सिर इंसान काट ले जाते है, लेकिन इनकी मौत की और इनका सिर कौन काट ले जाता है इसकी कोई ठोस जानकारी नहीं है.

बिहार का ये गांव है बेहद खास, छतों पर दिखती हैं एक से बढ़कर एक आकृतियां

भारत गांवों का देश है. आज भी हमारे देश की ज़्यादातर आबादी ग्रामीण इलाक़ों में रहती है. देशभर में कई गांव अपनी कुछ अलग ख़ासियतों और परंपराओं के लिए मशहूर हैं. मगर इनमें से एक ऐसा गांव है, जो अपनी परंपराओं के लिए नहीं, बल्कि एक शौक़ के लिए मशहूर हो गया है. घरों की छतों पर विशेष आकृतियों के कारण अब ये गांव हर जगह फ़ेमस हो रहा है.

बिहार के इस गांव का नाम बलथी महेशपुर है. इस गांव के कई घरों की छतों पर आपको कुछ न कुछ विशेष आकृति बनी हुई मिल जाएगी. इस वजह से ये गांव अब हर ओर सुर्खियां बटोर रहा है.

घरों में छतों पर विशेष आकृति के कारण मशहूर है यह गांव

बलथी महेशपुर गांव के निवासी अपने घरों के छतों पर कुछ खास प्रकार की आकृति बनवाए होते है, जो देखने में काफी आकर्षित लगती है। इन्हीं खास प्रकार की आकृतियों के कारण इस गांव का चर्चा पूरे देश में होती है।

गांव को एक खास पहचान

इस गांव के लोग विभिन्न प्रकार की आकृतियों का शौक रखते है। जिस कारण वे अपने घरों की छतों पर सीमेंट की कुछ न कुछ आकृति बनवा लेते हैं। आज के समय में इन्हीं आकृतियों के कारण हीं पूरे देश में इस गांव को एक खास पहचान मिली है।

लोग एक दूसरे को देख करने लगे नकल

रोमी ने जैसे ही अपने घर के छत पर हवाई जहाज का मॉडल बनवाया उसी को देखते हुए उन्ही के पड़ोसी मुकेश गुप्ता ने भी अपनी छत पर भोले बाबा के वाहन नंदी बैल की आकृति सीमेंट से बनवा लिया। इसके बाद एक दूसरे को लोग देखकर अपने भी छत पर सीमेंट से विशेष आकृति बनवाने लगे और इस प्रकार इस गांव में सभी घरों के छतों पर एक से बढ़कर एक आकृति देखने को मिलती है।

किसने की इसकी शुरुआत?

वो कहते हैं न शौक़ बड़ी चीज़ होती है. बिहार के इस गांव पर ये बात शत-प्रतिशत लागू होती है. बलथी महेशपुर गांव के कुछ लोगों ने इसी शौक़ के चलते अपने घरों की छतों पर सीमेंट की कुछ न कुछ विशेष आकृति बनवा ली. अब उनकी घरों की ये छतें ही उन्हें देशभर में फ़ेमस कर रही हैं. हालांकि, इसकी शुरुआत गांव के रोमी खान ने की थी. वो जॉब कंसलटेंसी का काम करते हैं. उन्होंने सबसे पहले अपनी छत पर सीमेंट की आकृति बनवाई थी. दरअसल, गांव के एक मज़दूर अशोक ने रोमी से उनके घर की छत पर एक आकर्षक सीमेंट की आकृति बनवाने को कहा. अशोक ने उन्हें एक मौक़ा देने के लिए कहा. रोमी भी इस बात के लिए तैयार हो गए. रोमी खान ने अशोक को मौका देते हुए अपने व्यवसाय से जुड़े पहचान को कायम करने के लिए छत पर एयर इंडिया लिखा हुआ एरोप्लेन बनवा लिया.

फिर चल पड़ा सिलसिला

रोमी ख़ान की छत पर एयरोप्लेन का डिज़ाइन गांव के बाकी लोगों को भी पसंद आया. साथ में अपनी छतों पर सीमेंट की आकृति बनवाने का आइडिया भी रास आ गया. उसके बाद तो सभी ऐसा ही करने लगे. रोमी के बाद उनके पड़ोसी मुकेश गुप्ता ने अपनी छत पर सीमेंट से धार्मिक मान्यता के अनुसार भोले बाबा के वाहन नंदी बैल बनवा लिया. फिर तो ये सिलसिला चल पड़ा. रोमी और मुकेश के बाद एक और शख़्स ने अपने घर की छत पर फ़ुटबॉल के साथ बाज़ की आकृति बनवा ली. देखते ही देखते कई घरों ने अपनी छतों पर सीमेंट की आकर्षक और खूबसूरत आकृति बनवा ली. इसके बाद कटिहाल जिला का ये गांव अपने लोगों से नहीं, बल्कि छत पर बने आकर्षक मॉडल के कारण हर तरफ़ फ़ेमस हो गया.

ऑस्ट्रेलिया से शर्मनाक हार पर बोले पूर्व कप्तान- गेंदबाजों ने पाकिस्तान को निराश किया

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली ने अपने गेंदबाजों की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में पर्थ की उस पिच पर वह अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे

जिससे असमान उछाल मिल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट मैच 360 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। अजहर ने कहा, 'जिस तरह से चौथे दिन पिच से असमान उछाल मिल रही थी उसे देखते हुए पाकिस्तान का 89 रन पर आउट होना हैरानी भरा नहीं रहा। हर समय इस तरह की असमान उछाल से निपटना मुश्किल था। अजहर ने गेंदबाजों की कड़ी आलोचना की जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्होंने हाल के कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने कहा, 'कितनी बार गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को कम स्कोर पर आउट किया जबकि बल्लेबाजों ने समय-समय पर अच्छा स्कोर बनाया। जब तक आप ऑस्ट्रेलिया को 250 या 300 रन से कम पर आउट नहीं करते हो तब तक आप ऑस्ट्रेलिया में मैच जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते हो।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला से बाहर हो सकते हैं शादाब खान

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान के न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली टी20 श्रृंखला के लिए टीम में चुने जाने की संभावना नहीं है क्योंकि अभी वह टखने की चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों के अनुसार पूर्व कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पांच मैचों की श्रृंखला से विश्राम देने पर चर्चा चल रही

थी, लेकिन राष्ट्रीय चयन समिति ने बाद में अपना मन बदल दिया। सूत्रों ने कहा, 'चयन समिति के अध्यक्ष वहाब रियाज और उनके साथियों ने टीम के निदेशक मोहम्मद हफीज और टी20 टीम के नए कप्तान शाहीन शाह अफरीदी से ऑनलाइन चर्चा की। टेस्ट कप्तान शान मसूद को 12 जनवरी से न्यूजीलैंड में होने वाली श्रृंखला के लिए टी20 टीम में जगह मिलने की उम्मीद है जबकि तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में खेलने से इनकार करने के बावजूद टीम में चुना जा सकता है। अनुभवी बल्लेबाज शोएब मलिक ने पाकिस्तान की तरफ से टी20 क्रिकेट खेलने की इच्छा जाहिर की है लेकिन चयन समिति ऐसा नहीं चाहती।

सूत्रों ने कहा, 'विश्व कप को ध्यान में रखते हुए मलिक की टीम में वापसी को लेकर भी चर्चा हुई लेकिन यह महसूस किया गया कि युवा खिलाड़ियों पर भरोसा करना बेहतर होगा, जिनमें से कुछ को न्यूजीलैंड के लिए चुना जाएगा। फखर जमा, सईम अयूब, इफ्तिखार अहमद, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शान मसूद, मोहम्मद हारिस उन बल्लेबाजों में शामिल हैं जो न्यूजीलैंड में खेलेंगे। तेज गेंदबाज नसीम शाह और एहसानुल्लाह के नाम पर भी विचार नहीं किया जाएगा क्योंकि वे अभी चोट से उबर रहे हैं।

एसए20 के जरिए भारतीय फैंस के साथ रिश्ता मजबूत करना है: ग्रीम स्मिथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एसए20 लीग कमिश्नर और पूर्व प्रोटियाज कप्तान ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट दर्शकों से जुड़ने के लिए लीग की आकांक्षाओं और इस रिश्ते में डिजिटल जुड़ाव के रणनीतिक जोर पर अपने विचार साझा किए। ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के खेल के प्रति जुनून की सराहना की। स्मिथ ने कहा, भारतीय प्रशंसक हमेशा क्रिकेट के प्रति जुनूनी रहे हैं। एसए20 शाम के मनोरंजन के लिए बेस्ट होगा, जहां हर कोई अपने परिवार के साथ इस खेल का लुत्फ उठा सकता है। ऐसे कई भारतीय प्रशंसक हैं, जो अभी भी दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के सुनहरे दिनों को याद करते हैं और हम चाहते हैं कि प्रशंसक उस पुरानी यादों को पुनर्जीवित करें। उन्होंने एसए20 के लिए एक रणनीतिक उद्देश्य के बारे में भी बात की। स्मिथ ने कहा, हमारा उद्देश्य एसए20 को नए क्षेत्रों में विकसित करना है। उन क्रिकेट प्रशंसकों का दिल जीतना है, जो एक रोमांचक टी20 अनुभव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लीग अपनी डिजिटल उपस्थिति पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है। लीग का दूसरा सीजन 20 जनवरी को सनराइजर्स ईस्टर्न केप और जॉबर्ग सुपर किंग्स के बीच गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में भिड़ंत के साथ शुरू होगा।

आईपीएल ऑक्शन 2024

मिचेल स्टार्क ने अपने कप्तान कमिंस का तोड़ दिया रिकॉर्ड, आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बने

दुबई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के लिए दुबई में हुई नीलामी में कंगारू कप्तान पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने 20 करोड़ 50 लाख की रकम खर्च करते हुए खरीदा था, लेकिन उन्हें खरीदे हुए कुछ ही वक्त हुए थे कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उन्हें पीछे छोड़ दिया और आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। मिचेल स्टार्क को इस सीजन में टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा। इससे पहले आईपीएल 2018 में भी स्टार्क को केकेआर ने 9 करोड़ रुपये में खरीदा था,लेकिन चोटिल होने की वजह से वह नहीं खेल पाए थे और इसके बाद अब जाकर वह नीलामी में शामिल हुए और इतिहास रच दिया। इस सीजन के लिए उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था।

मिचेल स्टार्क का आईपीएल करियर

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2024 की नीलामी में 4 साल बाद हिस्सा लिया था और उन्होंने इतिहास रच दिया। आईपीएल में उनके करियर की बात करें तो अब तक सिर्फ दो सीजन में ही खेल पाए थे। स्टार्क ने 2014 और 2015 आईपीएल में खेला था और वह इन दोनों सीजन में आरसीबी का हिस्सा था। इन दोनों सीजन में उन्होंने 27 मैच खेले थे और इस दौरान कुल 34 विकेट लिए थे। साल 2014 में उन्होंने 14 मैचों में 14 विकेट लिए थे जबकि साल 2015 में उन्होंने 13 मैचों में 20 विकेट झटके थे। आईपीएल में स्टार्क का बेस्ट प्रदर्शन 15 रन देकर 4 विकेट रहा है।

स्टार्क का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में प्रदर्शन

मिचेल स्टार्क दुनिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं और वह विरोधी बल्लेबाजों पर पूरी तरह से हावी होकर गेंदबाजी करते हैं। स्टार्क ने ज्यादा मैच आईपीएल में नहीं खेले हैं, लेकिन दो सीजन में 34 विकेट लेकर उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की है। केकेआर ने उनके पिछले प्रदर्शन को देखते हुए ही उन पर इतना बड़ा दांव खेला। स्टार्क के आईपीएल इंटरनेशनल क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने 58 मैचों में 73 विकेट लिए हैं और बेस्ट प्रदर्शन 20 रन देकर 4 विकेट रहा है जबकि उनके टी20 क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 121 मैचों में 170 विकेट हासिल किए हैं और दो बार एक मैच में चार विकेट लेने का भी कमाल किया है। उनका टी20 में ओवरऑल बेस्ट प्रदसन 15 रन देकर 4 विकेट रहा है।

आईपीएल 2024: नियमों में जरा से बदलाव से बल्लेबाजों की बढ़ी टेंशन, मैदान पर दिखेगा जबरदस्त एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 अगले साल मार्च में खेला जाना है। लीग के लिए ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में है। 2024 के सीजन में गेंदबाजों की बल्ले-बल्ले होने वाली है। वजह है लीग का नया नियम। 17वें सीजन के लिए गेंदबाजों से जुड़ा नया नियम लाया गया है जिससे स्टार बल्लेबाजों की भी टेंशन बढ़ने वाली है।

क्या है नया नियम

नए नियम के मुताबिक हर गेंदबाज को एक ओवर में दो बाउंसर डालने की अनुमति होगी। इस नियम का ट्रायल पहले घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में किया गया था। 2023-24 के सीजन में नियम की सफलता को देखते हुए इसे आईपीएल में भी लागू करने का फैसला किया है। इस नियम में बल्लेबाजों और गेंदबाज के बीच प्रतियोगिता बढ़ जाएगी।

जयदेव उनादकट ने फैसला किया स्वागत

भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने इस बदलाव का स्वागत किया है। 'मुझे लगता है कि एक ओवर में दो बाउंसर का फायदा होगा। यह एक ऐसी चीज है जिससे गेंदबाज को अतिरिक्त फायदा होगा।'

उनादकट ने बताया कैसे होगा फायदा

उनादकट ने नियम का फायदा समझाते हुए कहा, 'अगर मैंने ओवर में स्लो बाउंसर डाली तो बल्लेबाज को पता होगा कि अब और बाउंसर नहीं आएगी। लेकिन नए नियम के बाद अगर ओवर के पहले हाफ में एक स्लो बाउंसर डाली जा चुकी है तब भी गेंदबाज एक और बाउंसर डाल सकता है। इससे गेंदबाज के पास एक अतिरिक्त हथियार होगा। मुझे लगता है कि इस एक बदलाव से बहुत ज्यादा असर पड़ेगा और एक गेंदबाज के तौर पर मुझे लगता है कि यह नियम बहुत जरूरी है।'

नवीन उल हक आईएलटी20 से 20 महीने के लिए बैन

दुबई, एजेंसी। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक को शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने प्लेयर एग्रीमेंट का उल्लंघन करने के लिए यूएई की इंटरनेशनल लीग टी20 से 20 महीने के लिए बैन कर दिया गया है। दूसरे सीज़न से पहले नवीन को नौ मैचों में 24.36 की औसत से 11 विकेट लेने के बाद टीम द्वारा रिटेंशन नोटिस दिया गया था। हालांकि, नवीन ने इस पर साइन करने से इनकार कर दिया।

समस्या हल करने का प्रयास करने के लिए शारजाह वारियर्स इंटरनेशनल लीग टी20 तक गए। नवीन ने जब नोटिस पर साइन करने से मना कर दिया, तब टीम ने लीग के अधिकारियों से संपर्क किया। इंटरनेशनल लीग टी20 ने नवीन से बातचीत करने की कोशिश की लेकिन दोनों के बीच कोई हल नहीं निकला। लीग की डिसिप्लीनरी कमेटी में चीफ एक्जिक्यूटीव डेविड व्हाइट, सिक्योरिटी और एन्टी-करप्शन प्रमुख कर्नल आजम और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के सदस्य जायद अब्बास शामिल थे।

इस कमेटी ने वॉरियर्स और नवीन दोनों की बात सुनी और सबूतों की जांच की। फिर, लीग की तीन सदस्यीय अनुशासन समिति जिसमें लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट, सुरक्षा प्रमुख और भ्रष्टाचार विरोधी आजम और सदस्य अमीरात क्रिकेट बोर्ड जायद अब्बास शामिल थे, ने दोनों पक्षों यानी नवीन और शारजाह वारियर्स को अलग से सुना। सबूतों की जांच के बाद पैनल ने नवीन पर 20 महीने के प्रतिबंध का फैसला सुनाया। लीग के चीफ एक्जिक्यूटीव डेविड व्हाइट ने कहा, हमें यह घोषणा करने में गर्व नहीं है लेकिन सभी पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी अनुबंध संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन करें और यह पहचानें कि गैर-अनुपालन से दूसरे पक्ष को नुकसान हो सकता है। दुर्भाग्य से नवीन शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों का पालन करने में विफल रहे और ऐसे में लीग के पास उन पर 20 महीने का प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। नवीन का प्रतिबंध अगस्त 2025 तक रहेगा, जिसके कारण वह लीग के अगले दो सीज़न से चूक जाएंगे। प्रतियोगिता का दूसरा सीज़न संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 2024 जनवरी-फरवरी विंडो में होने वाला है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइज़ी लखनऊ सुपर जाइंट्स ने आईपीएल 2024 मिनी-नीलामी से पहले नवीन को बरकरार रखा।

नवीन के जनवरी 2024 में अफगानिस्तान के भारत दौरे में शामिल होने की संभावना है, जिसमें तीन टी20 शामिल हैं।

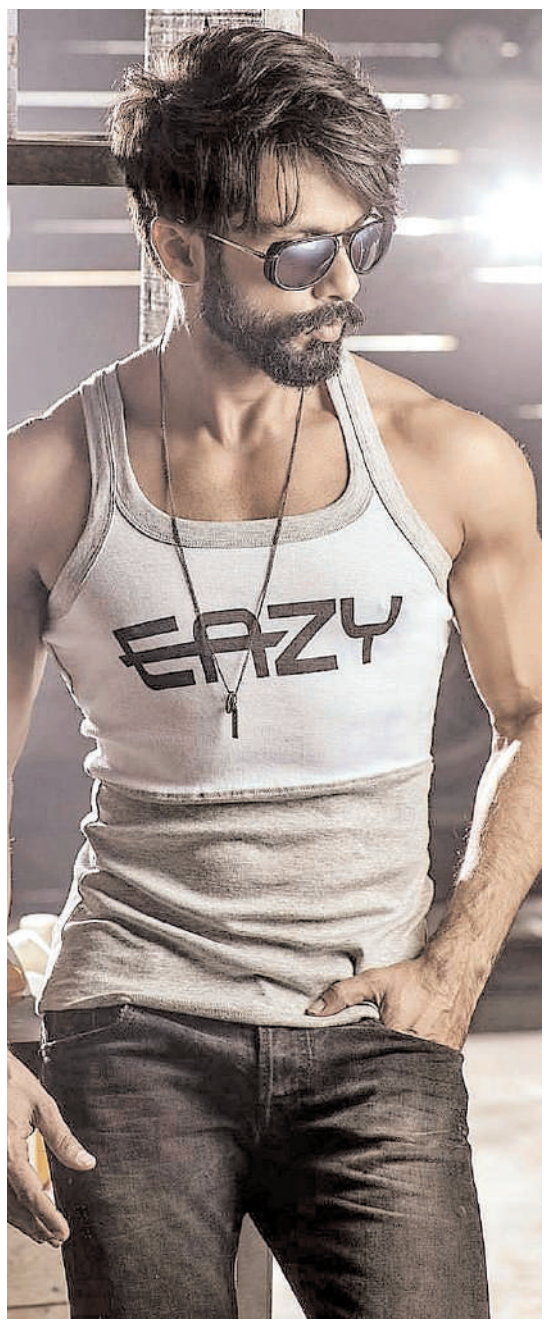

बच्चों के साथ मत किया करो, फोटो लेने आए पपाराजी पर भड़के शाहिद

मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में हाल ही में एनुअल फंक्शन था, जिसमें बॉलीवुड की तमाम हस्तियों के बच्चों ने भाग लिया। शाहिद कपूर और मीरा राजपूत भी अपने बच्चों को चियर करने के लिए पहुंचे, लेकिन इस बीच शाहिद बच्चों की फोटो लेने की वजह से नाराज हो गए। मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल के एनुअल फंक्शन में तमाम बॉलीवुड हस्तियां अपने बच्चों का सपोर्ट करती नजर आईं। शाहिद कपूर और मीरा राजपूत भी अपने दोनों बच्चों को चियर करने के लिए फंक्शन में पहुंचे। दोनों प्राउड माता-पिता की तरह अपने बच्चों मीशा और ज़ैन के साथ इवेंट से बाहर आए। हालांकि, शाहिद कपूर नहीं चाहते थे कि कोई उनके बच्चों की फोटोज खींचे और इसी के चलते वो पपाराज़ी पर अपना आपा खो बैठे। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। करोड़ों फोटोज तो ले चुके हो। इस बीच उनकी पत्नी मीरा मुंह लटकाए पीछे खड़ी दिखीं। स्कूल में आयोजित एनुअल फंक्शन में कई स्टार किड्स मौजूद थे। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या से लेकर करण जौहर के जुड़वां बच्चे यश और रूही तक, शाहरुख खान और गौरी खान के सबसे छोटे बेटे अबराम से लेकर करीना कपूर खान और सैफ अली खान के बेटे तैमूर तक, सभी ने जबरदस्त परफॉर्मेंस दिए।

हुनर के बावजुद भी कलाकार को करना पड़ता है काफी संघर्ष

अभिनेत्री करीना कपूर इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म सिंघम अगेन और नेटफ्लिक्स फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में नजर आएंगी। हाल ही में दिए इंटरव्यू में करीना ने खुलासा किया कि इंडस्ट्री में एक कलाकार के रूप में खुद को सबित करने के लिए कितना संघर्ष करना पड़ता हैं। करीना ने खुलासा करते हुए कहा, इंडस्ट्री में आपको लगातार इस बात पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया जाता है कि आप कैसे दिख रहे हैं? मैं अपनी पहली फिल्म के बाद से ही यह सब देख रही हूं। हालांकि, मैंने इन सब से हमेशा दूर रहने की कोशिश की है। इन सब से दूर रहने के बाद भी एक अभिनेत्री के रूप में मुझे अपने लुक पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मुझे खुद पर विश्वास है और मैं अच्छी तरह से जानती हूं कि मैं कैसी दिख रही हूं। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि मेरी चेहरे की झुर्रियां दिख रही हैं, क्योंकि मुझे पता है कि मैं वैसी ही हूं। मैं एक अभिनेत्री हूं। अभिनेत्री के रूप में इस तरह की बातों को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है। मेरे लिए यह सबसे बड़ी चुनौती रही है। मैं शुरू से ही चाहती थी कि लोग मेरे लुक को नहीं हुनर को देखें। फिल्म रिफ्यूजी से लेकर आज तक एक अभिनेत्री के रूप में खुद को साबित करने की इच्छा रही है, लेकिन अब ऐसा नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि इंडस्ट्री में लोग हुनर नहीं लुक देखते हैं।

लिखा लंबा-चौड़ा नोट

बार-बार अकाउंट सस्पेंड होने से परेशान उर्फी जावेद

अपने फैशन सेंस के लिए मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उर्फी जावेद ने बताया है कि उन्हें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गड़बड़ियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर उस नोटिफिकेशन के स्क्रीनशॉट की एक सीरीज शेयर की, जो उन्हें इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा से प्राप्त हुई थी। एक्ट्रेस ने लिखा, मेरा 2023 कैसा लगता है। मेरा अकाउंट मेजर ग्लीचेज का सामना कर रहा है, एक हफ्ते में तीसरी बार अकाउंट सस्पेंड हो गया, मेरे अकाउंट स्टेटस एरर दिखा रहा है और बाकी प्रोफेशनल डैशबोर्ड भी एरर दिखाते हैं। हर दिन मुझे एक नोटिफिकेशन मिलती है कि मेरे पोस्ट ने गाइडलाइन्स का उल्लंघन किया है और फिर इसे दोबारा पोस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं कुछ पोस्ट करती हूं तो फॉलोअर्स की संख्या काफी कम हो जाती है। इसके बाद फिर से अपने आप बढ़ जाते हैं। यह एक रोलर कोस्टर की तरह हो गया है। मुझे नहीं पता कि क्या करना है। इससे पहले, अक्षय कुमार स्टारर फिल्म भूल भुलैया में अभिनेता राजपाल यादव के आइकॉनिक लुक को उर्फी द्वारा रीक्रिएट करने के बाद हलचल मच गई। उन्होंने दावा किया कि छोटे पंडित के लुक को रीक्रिएट करने के लिए उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर धमकी का एक स्क्रीनशॉट ऑनलाइन शेयर किया, जिसमें उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया। उर्फी जावेद ने छोटा पंडित लुक को हेलोवीन के मौके पर कैरी किया था। उर्फी ने ऑरेंज और रेड कलर की धोती पहनी थी और चेहरे पर लाल कलर लगाया था।

दूसरी बार दुल्हन बनेंगी सामंथा?

साउथ की ब्यूटीफुल एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु किसी ना किसी वजह से हैडलाइन्स में आ ही जाती हैं। कभी अपनी फिल्मों को लेकर तो कभी पर्सनल लाइफ की वजह से लाइमलाइट बटोरती हैं। ऐसे में अब एक्ट्रेस अपनी दूसरी शादी को लेकर चर्चा में हैं। दो साल पहले सामंथा ने 2021 में तलाक का ऐलान कर खूब सुर्खियां बटोरी थी। उन्होंने नागा चैतन्य के साथ फेरे लिए थे और पहली वेडिंग में करोड़ों रुपए खर्च किए थे, लेकिन 4 साल में ही इनका रिश्ता टूट गया। इसके बाद 'द फैमिली फैन 2' की एक्ट्रेस अपनी दूसरी शादी को लेकर हैडलाइन्स में आ गई हैं। चलिए बताते हैं पूरा मामला क्या है। दरअसल, सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में फैंस के साथ सोशल मीडिया पर गपशप की। इस दौरान उन्होंने फैंस के सवालों का जवाब दिया। इसी बीच एक फैन ने उनसे दूसरी शादी को लेकर सवाल कर दिया। उसने पूछा, 'क्यो वो दोबारा शादी करेंगी?' इस पर एक्ट्रेस ने बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने इसे एक बेकार इन्वेस्टमेंट बता दिया।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के नए वैरिएंट के बीच चीनी निमोनिया खतरनाक, बोले एम्स विशेषज्ञ?

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने सोमवार को राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सतर्क रहने को कहा है। केंद्र ने राज्यों से निरंतर निगरानी बनाए रखने को कहा है। देश में कोरोना के मामलों में वृद्धि और जेएन.1 वैरिएंट का पहला मामला सामने आने के बाद एकबार फिर नई लहर का खतरा मंडराने लगा है। यही नहीं पिछले कुछ दिनों के दौरान चीन में बच्चों में निमोनिया के बढ़ते मामलों ने भी चिंता बढ़ा दी है। एम्स दिल्ली में सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में डॉक्टरों ने एहतियात बढ़ाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों ने कहा- चीन में पिछले कुछ दिनों में बच्चों में निमोनिया के बढ़ते मामले भारत के लिए चिंता की बात नहीं है। एम्स के सामुदायिक चिकित्सा के प्रोफेसर डॉक्टर संजय राय ने कहा कि चीन में बच्चों में अभी निमोनिया के को लक्षण दिख रहे हैं उनमें कोई नया वेरिएंट वाला वायरस नहीं मिला है। विशेषज्ञों ने कहा- ऐसे में अब जब बच्चे बाहर निकलने शुरू हुए हैं तो उन्हें फ्लू जैसा संक्रमण हो रहा है। जैसे जैसे बच्चों में इसके प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी, वैसे ही वे इससे लड़ने में बेहतर सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि भारत में अभी तक कोई बड़ा खतरा नहीं है लेकिन सर्दियों में बच्चों में निमोनिया के मामले बढ़ने लगते हैं। ऐसे में संक्रमित बच्चों से दूसरे बच्चों को ठीक होने तक बचाएं और घबराएं नहीं। इस बीच केंद्र सरकार ने सोमवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कोरोना के मामलों की निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे एक पत्र में कहा है कि आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए राज्यों को अपेक्षित स्वास्थ्य उपाय एवं अन्य जरूरी इंतजाम करने चाहिए। केंद्र का कहना है कि स्वास्थ्य चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयारियों की गति को बनाए रखना बेहद जरूरी है।

प्राचीन ऐतिहासिक काल के हिंदू मंदिरों के अवशेष मिले, केंद्र ने बताया- अक्टूबर तक 72 लाख विदेशी पर्यटक आए भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सोमवार को बताया कि देश में प्राचीन ऐतिहासिक काल के हिंदू मंदिरों और गुफाओं के साक्ष्य या अवशेष पाए गए हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या देश में मौजूद सभी गुफाओं में हिंदू सभ्यता के मंदिर मौजूद थे या हिंदू देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए थे और क्या उन्हें बाद में मुगल व ब्रिटिश शासकों द्वारा नष्ट कर दिया गया था? अगर ऐसा है तो क्या सरकार एएसआइ के तहत ऐसी हिंदू धार्मिक सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उन्हें उनके प्राचीन स्वरूप में पुनर्स्थापित करने के लिए सकारात्मक कदम उठाने का प्रस्ताव करती है जो जीर्णशीर्ष अवस्था में हैं। जवाब में रेड्डी ने कहा, प्राचीन ऐतिहासिक काल के हिंदू मंदिरों और गुफाओं के साक्ष्य या अवशेष मिले हैं। केंद्र सरकार मंदिरों, गुफाओं एवं गुंबदों समेत प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों एवं राष्ट्रीय महत्व के अवशेषों का रखरखाव करती है। रेड्डी ने कहा कि इस वर्ष अक्टूबर तक 72.4 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत आ चुके हैं। ब्यूरो आफ इमिग्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2018 में 1.05 करोड़, 2019 में 1.09 करोड़, 2020 में 27.4 लाख, 2021 में 15.2 लाख और 2022 में 64.4 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए थे। रेड्डी ने यह भी बताया कि केंद्रीय खान मंत्रालय ने पूर्ववर्ती भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड (कोलार गोल्ड फील्ड्स) के बुनियादी ढांचे को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के समक्ष रखा है।

ना चुनाव, ना विधायक और ना सीएम; 37 साल तक चली थी दिल्ली सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में नियमित विधानसभा चुनाव होने के शुक्रवार को तीन दशक पूरे हो गए। यहां 37 साल तक कभी विधानसभा चुनाव नहीं हुए। क्योंकि, 1956 में दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने के साथ सदन को समाप्त कर दिया गया था। विधानसभा रिकॉर्ड के अनुसार, दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव 1952 में हुआ था। राजधानी 1993 तक कभी भी विधानसभा का दोबारा चुनाव नहीं कर सकी। 1993 में सदन के अध्यक्ष चुने गए चरती लाल गोयल को पद की शपथ दिलाने के लिए जग प्रवेश चंद्र को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया था। चूंकि, 37 साल बाद विधायकों की एक निर्वाचित सभा आकार ले रही थी। इसके लिए

सचिवालय भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसने ब्रिटिश राज के तहत इंपीरियल विधान परिषद और केंद्रीय विधान सभा (1913-1926) या संसद की भी मेजबानी की थी। वहीं, राजधानी में 27 मार्च 1952 को पहला दिल्ली विधानसभा चुनाव हुआ दक्षिणी दिल्ली के पूर्व महापौर सुभाष आर्य ने कहा कि विधानसभा का गठन दिल्ली के लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकार प्राप्त करने में एक बड़ी छलांग थी। शहर के प्रशासन में लोगों की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं होने के कारण एक निर्वाचित विधानसभा की बहाली की मांग उठने लगी। इन मांगों के कारण केंद्र सरकार को दिसंबर 1987 में सरकारिया समिति (जिसे बाद में बालाकृष्णन समिति कहा गया) का गठन करना पड़ा। दो साल बाद समिति ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की कि दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश बने रहना चाहिए। 1952 में 48 सीटों पर चुनाव हुए, जिनमें से छह निर्वाचन क्षेत्रों में दो सदस्यों का चुनाव हुआ और शेष 36 पर एक सदस्य चुना गया। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, दिल्ली में 5,21,766 पात्र मतदाता थे, जिनमें से 58.52 फीसदी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कांग्रेस ने 39 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया। जनसंघ, हिंदू महासभा और सोशलिस्ट पार्टी ने मिलकर 10 सीटें हासिल कीं। 1956 और 1990 के बीच 61-सदस्यीय मेट्रोपॉलिटन काउंसिल ने दिल्ली का प्रशासन किया। दिल्ली विधानसभा के वर्तमान अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कहा कि सदन के तत्कालीन अध्यक्ष चरती लाल गोयल सदन को दृढ़ता से चलाते थे। 15 दिसंबर 1993 को एलजी दवे ने पहला संबोधन किया। बल्लीमारान विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने वाले हारून यूसुफ ने कहा कि उस समय राजनीतिक मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद सदस्यों ने व्यक्तिगत समीकरण साझा किए, जिससे सर्वसम्मति बनाने में मदद मिली। केंद्र ने 1992 में एक परिसीमन समिति का गठन किया, जिसने दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों का निर्धारण किया। नवंबर 1993 में शहर में विधानसभा चुनाव होने के साथ दिल्ली लोकतांत्रिक स्थिति में लौट आई।

छात्रों को मुजाहिदीन बनाने में जुटे आइएस के आठ आतंकी गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। एनआइए ने आइएस के जुड़े अंतरराज्यीय माड्यूल का पर्दाफाश करते हुए आठ आतंकियों को गिरफ्तार किया है। चार राज्यों में 19 ठिकानों पर राज्य पुलिस के सहयोग से मारे गए छापों में बड़ी मात्रा में आइईडी बनाने से संबंधित सामान व विस्फोटक, इलेक्ट्रानिक उपकरण और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं।

एनआइए ने इसे बेल्लारी माड्यूल का नाम दिया है, जो देशभर में कालेज के छात्रों को आतंकी हमले के लिए मुजाहिदीन बनने के लिए प्रेरित करता था। एनआइए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कई राज्यों में सक्रिय आइएस के बेल्लारी माड्यूल की जानकारी मिलने पर 14 दिसंबर को एफआइआर दर्ज की गई थी। उसके बाद झारखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक पुलिस की मदद से माड्यूल से जुड़े लोगों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाने लगी।

एनसीआर में गरजा बुलडोजर, नगर निगम का अतिक्रमण के खिलाफ अभियान

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के वसुंधरा जोन में सड़कों को अतिक्रमण से छुटकारा दिलाने के लिए नगर निगम ने सोमवार को अभियान चलाया। वसुंधरा और वैशाली में कई जगह बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण को तोड़कर नगर निगम की टीम ने सामान भी जब्त कर लिया। गुरुवार को आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान' ने अतिक्रमण की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

या को लेकर वार्ड-87 के पार्षद और स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह से मुलाकात कर शिकायत की थी। इस समस्या को आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान' ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर छपने के अगले दिन ही नगर निगम हरकत में आया। वसुंधरा जोन की टीम ने शुक्रवार से ही क्षेत्र में चेतावनी दी गई कि अतिक्रमण करने वाला

अपना सामान हटा लें।

वसुंधरा में अतिक्रमण की समस

वसुंधरा जोन के प्रभारी सुनील राय ने बताया कि लाउडस्पीकर के जरिये अतिक्रमण हटाने की तीन दिन तक अपील की गई और सोमवार को वसुंधरा सेक्टर 12 और वैशाली सेक्टर चार में अतिक्रण हटाया गया। सड़क पर रखा सामान जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले भी लोगों से पहले भी कई बार अतिक्रमण हटाने की अपील की गई थी, लेकिन लोग नहीं मान रहे थे।

टीम लौटी तो कुछ लोगों ने फिर से अतिक्रमण कर लिया। आरोप लगाया कि बड़े दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। अतिक्रमण हटाने के बाद टीम वसुंधरा सेक्टर दो बी ब्लॉक पहुंची, लेकिन यहां डेयरी संचालकों ने विरोध कर दिया। सड़क किनारे अतिक्रमण के साथ और पार्क के पास कब्जा कर लिया गया था। इससे लोगों का पार्कों में जाना मुश्किल हो रहा था। बीते बुधवार को इंदिरापुरम के लोगों ने जीडीए वीसी से शिकायत की थी। वार्ड 87 के पार्षद अनुज त्यागी ने बताया था कि ऑरेंज काउंटी से मंगल बाजार तक सड़क के दोनों किनारों पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया है।

आरएमएल में तीन दिन तक नहीं मिला आईसीयू बेड, मरीज की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के बाद दिल्ली के अस्पतालों की स्थिति सुधारने के तमाम दावे किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। आए दिन आईसीयू बेड न मिलने से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला राम मनोहर लोहिया अस्पताल से सामने आया है, जहां तीन दिन तक आईसीयू बेड न मिलने से निमोनिया और सांस संबंधी रोग से पीड़ित व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। परिजन हाथ से अंबू बैग दबाते हुए दो दिन तक ऑक्सीजन देने का प्रयास करते रहे, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

द्वारका निवासी कन्हैया लाल ने बताया कि उनके 57 वर्षीय पिता राजकिशोर भगत को निमोनिया और सांस लेने में तकलीफ थी। इसके बाद वे उन्हें लेकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में गए। डॉक्टरों ने उनसे कहा कि मरीज को आईसीयू बेड की सख्त जरूरत है, लेकिन बेड नहीं मिल सका। परिजनों का कहना है कि डॉक्टरों ने बेड खाली न होने का हवाला दिया। मरीज को सांस लेने में तकलीफ हुई तो एक गुब्बारे के आकार का अंबू बैग परिजनों को दिया गया। इसे हाथ से दबाते हुए परिजनों ने दो दिन तक मरीज को ऑक्सीजन दी गई।

लाल ने बताया कि रविवार को पिता को दिल का दौरा पड़ा था तो डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उन्हें बचा लिया। इसके बाद कहा कि तुरंत आईसीयू बेड का इंतजाम करो, लेकिन बेड नहीं मिल सका। रविवार को ही पिता ने दम तोड़ दिया। संवाददाता ने इस मामले को लेकर कई बार संबंधित अधिकारी से संपर्क साधने का प्रयास किया, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

पिछले सप्ताह ब्लड कैंसर से जूझ रही 14 वर्षीय किशोरी इलाज के लिए दर-दर भटकती रही, लेकिन उसे बेड नहीं मिला। इस कारण उसकी भी मौत हो गई थी। तिमारपुर की रहने वाली फायजा के परिजनों का आरोप था कि वे बच्ची के इलाज के लिए एक सप्ताह तक अस्पतालों में भटकते रहे।

एसआई ने सड़क किनारे कार लगाने को कहा, खिड़की में फंसा हाथ; पुलिसकर्मी को 15 मीटर तक घसीटा

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा में रजनीगंधा चौराहे के पास दो युवकों ने ड्यूटी पर तैनात यातायात उपनिरीक्षक को कार से करीब 15 मीटर तक घसीटकर घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-20 पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की कार को भी जब्त कर लिया। यातायात उपनिरीक्षक जय प्रकाश ने सेक्टर-20 थाने में शिकायत दी कि वह रविवार शाम को रजनीगंधा चौराहे के पास ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान सेक्टर-15 से आने वाला ट्रैफिक सेक्टर-19 चौक के पास रुका था। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे तो एक कार सड़क पर तिरछी खड़ी थी, जिसकी वजह से जाम लग रहा था। उन्होंने कार सवार युवकों को कार को सड़क के किनारे करने को कहा तो वे दोनों उनसे अभद्रता और गाली गलौज करने लगे। यातायात उपनिरीक्षक जय प्रकाश ने कार की चाबी निकालकर कार को खुद से ही किनारे करने का प्रयास किया तो शराब के नशे में धुत ड्राइविंग सीट पर मौजूद युवक ने शीशा चढ़ाते हुए उनके एक हाथ को दबोच लिया। शीशा चढ़ने के कारण उनका एक हाथ कार के अंदर फंस गया। आरोपी कार को तेजी से लेकर भागने लगा। आरोपी चालक ने कई मीटर तक पुलिसकर्मी को घसीटने के बाद कार को डिवाइडर से टकराकर कुचलने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से उनका हाथ निकल गया और वह गिर गए। फिर उन्होंने ट्रेवलर चालक की मदद से आरोपी का पीछा किया। सेक्टर-27 के पास रेडलाइट होने पर आरोपी चालक कार को छोड़कर भाग गया। दूसरा आरोपी कार में बैठा रह गया, जिसको दबोच लिया गया। इसके बाद दूसरे आरोपी को भी दबोच लिया गया। आरोपियों की पहचान रोहित वैसोया और गुरकीरत सिंह के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ यातायात उपनिरीक्षक के साथ अभद्रता करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और जान से मारने की नियत से दुर्घटना करने की धाराओं में केस दर्ज हुआ है। इस दौरान आरोपियों ने कार हटाने के लिए कहन पर पीड़ित पुलिसकर्मी के साथ गाली गलौज भी की। घटना में पीड़ित पुलिसकर्मी की वर्दी भी फट गई।

बीपी के लाल सागर में शिपमेंट बंद करने से तेल, गैस की कीमतें बढ़ीं

लंदन, एजेंसी। कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतें सोमवार को तेजी से बढ़ गईं क्योंकि बीपी ने कहा कि वह यमन में हूती आतंकवादियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों के कारण लाल सागर के माध्यम से सभी शिपमेंट रोक देगा।सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों में से एक बीपी ने प्रमुख शिपिंग कंपनियों के इसी तरह के कदमों के बाद यह निर्णय लिया है। कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल हो सकती है और माल ले जाने की लागत बढ़ सकती है।इस खबर से तेल में भारी बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का वायदा 2.7 प्रतिशत बढ़कर 78.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुँच गया। अमेरिकी तेल भी 2.7 प्रतिशत बढ़कर 73.38 डॉलर प्रति बैरल हो गया।इस खबर का असर प्राकृतिक गैस बाजार पर भी पड़ा।यूरोप की बेंचमार्क प्राकृतिक गैस की कीमतें नौ प्रतिशत से अधिक बढ़कर 36 पाउंड (लगभग 39.65 डॉलर) प्रति मेगावाट ऑवर से ऊपर हो गईं। यह अभी भी अगस्त 2022 में महाद्वीप के ऊर्जा संकट के चरम पर देखे गए 320 पाउंड (लगभग 349.24 डॉलर) प्रति मेगावाट ऑवर के अब तक के उच्चतम स्तर से काफी कम है, लेकिन हमलों के बाद कमोडिटी बाजारों में व्यवधान का अब तक का सबसे ठोस संकेत है। ईरान समर्थित हूती द्वारा हवाई हमले अब बढ़ गए हैं। समूह का दावा है कि ये हमले इजरायल के खिलाफ बदला लेने के लिए किये जा रहे हैं।सीएनएन ने बताया कि अमेरिका और उसके सहयोगी अब इस बात पर विचार कर रहे हैं कि वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए लाल सागर में मौजूदा समुद्री कार्यबल का विस्तार किया जाए या नहीं।

हूती विद्रोहियों से मजबूती से निपटेगा अमेरिका, शुरू किया ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन

वाशिंगटन एजेंसी। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर हूती हमलों के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने की घोषणा की। ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन में बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स, स्पेन, यूके और यूएस की नौसेनाएं शामिल होंगी। टास्क फोर्स संयुक्त समुद्री बलों के अंतर्गत आती है, जो एक बहुराष्ट्रीय गठबंधन है जिसे दुनिया के शिपिंग लेन की रक्षा करने का काम सौंपा गया है।

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन एक नई सुरक्षा पहल होगी जिसमें कई देश शामिल होंगे यूके, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन, द हिल ने बताया।हूतियस विद्रोही समूह ने कई व्यापारिक जहाजों पर हमला किया है और

कंपनियों को क्षेत्र से होकर गुजरने वाले मार्गों को निलंबित करने के लिए मजबूर किया है। वाणिज्यिक नौवहन की रक्षा के लिए अमेरिका और अन्य नौसैनिक बल पहले से ही लाल सागर क्षेत्र में काम कर रहे हैं, लेकिन नए टास्क फोर्स से सुरक्षा बढ़ाने की उम्मीद है। ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन कई देशों को एक साथ ला रहा है, जिसमें यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन शामिल हैं, ताकि दक्षिणी लाल सागर और अदन की खाड़ी में सुरक्षा चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान किया जा सके। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने एक बयान में कहा, सभी देशों के लिए नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि को मजबूत करना। द हिल के अनुसार, ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन को विशेष रूप से टास्क फोर्स 153 द्वारा प्रबंधित किया जाएगा, जो संयुक्त समुद्री बलों का एक घटक है जो लाल सागर, यमन के पास बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी की रक्षा करता है। सोमवार को एक ब्रीफिंग के दौरान, ऑस्टिन ने संवाददाताओं से कहा कि हौथियों ने लाल सागर में जहाजों को परेशान करके अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण आपातकालीन उपाय किए गए

रेक्जाविक, एजेंसी। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम आइसलैंड के रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर हफ्तों की तीव्र भूकंप गतिविधि के बाद एक ज्वालामुखी फट गया है। समाचार एजेंसी शन्हिुआ ने आइसलैंडिक मौसम विज्ञान कार्यालय के हवाले से कहा, विस्फोट ग्रिंडाविक से लगभग 4 किमी उत्तर पूर्व में सुंधनुकागिगर के करीब स्थित है, और इसे पास के वेब कैमरों पर देखा जा सकता है।

इसमें कहा गया है कि सोमवार की रात लगभग 9 बजे शुरू हुए भूकंप के झटके के बाद विस्फोट रात 10.17 बजे शुरू हुआ। कार्यालय ने बताया कि ज्वालामुखी में दरार की लंबाई लगभग 3.5 किमी है, इसमें लावा लगभग 100 से 200 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड की दर से बह रहा है। इसमें कहा गया है कि यह हाल के वर्षों

में रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर पिछले विस्फोटों की तुलना में कई गुना अधिक था।

विस्फोट के सटीक स्थान और आकार की पुष्टि करने के लिए एक तटरक्षक हेलीकॉप्टर को क्षेत्र में भेजा गया है। आइसलैंड के राष्ट्रीय पुलिस आयुक्त ने विस्फोट के जवाब में नागरिक सुरक्षा सेवा स्तर को अलर्ट से आपातकाल तक बढ़ा दिया। नागरिक सुरक्षा समन्वय केंद्र को सक्रिय कर दिया गया है।

अधिकारियों ने जनता से विस्फोट स्थल पर नहीं जाने को कहा है और आपातकालीन कर्मचारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। ग्रिंडाविक शहर की सभी सड़कें बंद हैं और यातायात प्रतिबंधित है, जिसमें राजमार्ग 41 भी शामिल है, जो रेक्जेनस प्रायद्वीप के उत्तरी हिस्से की मुख्य सड़क है, जो बड़े रेक्जाविक क्षेत्र और केफ्लाविक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ती है।

विस्फोट को राजधानी रेक्जाविक से देखा जा सकता है, जो ग्रिंडाविक से लगभग 42 किमी उत्तर-पूर्व में है। स्थानीय समाचार आउटलेट आरयूवी ने प्रधान मंत्री कैटरीन जैकब्सडॉटिर के हवाले से कहा कि हाल ही में निर्माण शुरू होने वाले रक्षात्मक किलेबंदी से ज्वालामुखी विस्फोट से निपटने में महत्वपूर्ण अंतर आएगा। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं स्थानीय समुदाय के साथ हैं और वह महत्वपूर्ण घटना के बावजूद सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद कर रही हैं। राष्ट्रपति गुडनी जोहानसन ने कहा कि जीवन की सुरक्षा मुख्य प्राथमिकता है लेकिन संरचनाओं की सुरक्षा के लिए भी हर संभव प्रयास किया जाएगा। 24 अक्टूबर से, आइसलैंडिक मौसम विज्ञानी रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर भूकंपीय गतिविधि में वृद्धि की निगरानी कर रहे हैं, जो आसन्न ज्वालामुखी विस्फोट का संकेत हो सकता है। एहतियाती उपाय के रूप में, अधिकारियों ने 10 नवंबर को रेक्जेन्स प्रायद्वीप के ग्रिंडाविक शहर से लगभग 4,000 निवासियों को निकालने का काम पूरा कर लिया। अप्रैल 2010 में, आईजफजल्लाजोकुल ज्वालामुखी विस्फोट के कारण व्यापक राख के बादल के परिणामस्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय हवाई क्षेत्र का सबसे बड़ा बंद होना पड़ा। 1.5 अरब से 2.5 अरब यूरो के बीच घाटे का अनुमान लगाया गया था।

15 हजार पर विवाद, पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट; तलवार से किए ताबड़तोड़ वार

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव फजलगढ़ में मंगलवार सुबह 15 हजार रुपए को लेकर हुए विवाद में पति ने तलवार से वार कर अपनी 55 वर्षीय पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौजूद हैं। गांव फजलगढ़ निवासी धर्मवीर सिंह अपनी पत्नी सुंदरी व पांच बच्चों के साथ रहते हैं। वह गांव-गांव सब्जी बेचकर परिवार का लालन-पालन करते हैं। बताया जा रहा है कि पति और पत्नी के बीच 15 हजार रुपए को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह चार बजे बजे इसी बात को लेकर एक बार फिर से पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि धर्मवीर ने अपनी पत्नी सुंदरी पर तलवार से ताबड़तोड़ वार कर दिए। चीख पुकार सुन मौके पर पहुंचे लोगों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने महिला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही भोजपुर थाना प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका के घर के बाहर भारी भीड़ लगी हुई है। गांव में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। गाजियाबाद के ही दूसरे मामले में वेव सिटी थानाक्षेत्र में दूसरी महिला के साथ घूमकर आ रहे पति को पत्नी ने रंगेहाथों पकड़ लिया। विरोध करने पर पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि पत्नी की शिकायत पर पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। तिलपता करनवास निवासी नसरीन का कहना है कि उनकी शादी डासना के बाजीगरान मोहल्ला निवासी राजू उर्फ राजुद्दीन के साथ 18 साल पहले हुई थी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।